

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 38]

नई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 22, 1979/माद्रपद 31, 1901

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 22, 1979/BHADRA 31, 1901

इस भाग म⁸ भिष्ण पृष्ठ बंत्या ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संक्रमण के रूप म⁸ रत्या जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

माग II-- खण्ड 3---उप-खण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) मारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक बावेश और अधिसुचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

नारत निर्वाचन प्रायोग

ग्रावेश

नष्टे दिल्ली, 3 श्रगस्त, 1979

का॰ गा॰ 3199.— यत', निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए आजाम विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 41-भवामीपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाल उम्मीदवार श्री जानेन्द्र चौधरी, गाथ व पो॰ भवानीपुर, जिला कामकप, धामाम, लोक प्रतिनिधिस्व अधिनियम, 1951 तथा तर्द्धान बनाए गए नियमो द्वारा भपेक्षित श्रीपने निर्वाचन ज्यायों का लेखा वाखिल करने में अमफन रहे

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदबार ने उसे सम्यक्त सूचना दिये जाने पर भी, ग्रमनी इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथबा स्पर्धीकरण नहीं दिया है, ग्रीर, निबाजन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके जास इस ग्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है.

ग्रन. श्रष्ट, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के अनुभरण में निर्वाचन श्रायोग एनव्दारा उक्त श्री आनेन्द्र जींश्ररी की संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की त्रिधान-पना श्रयवा विद्यान परिचाद के सवस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस भादेश की तारीच से तीन वर्ष की काला-विधि के लिए निरिहित घोषित करना है।

मिं० श्रासाम-विज्य 0/41/78(1)]

REGISTERED No. D. (D)-73

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 3rd August, 1979

S.O. 3199.—Where the Election Commission is satisfied that Shri Jnanendra Choudhury, Vill. & P. O. Bhabanipur, District Kamrup, Assam a contesting candidate for general election to the Assam Legislative Assembly held in February, 1978, from 41-Bhabanipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Inanendra Choudhury to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State tot a period of three years from the date of this order.

[No. AS-LA/41/78 (1)]

मार्चे श

श्रीर, यतः, उक्त उमादिवार ने, उसे सम्प्रक मूचनः दिने जारी पर भी, श्रवनी दम श्रमकरता के लिए कोई फारण श्रवम स्वर्धनाया मही दिया है, श्रीर, निवचिन श्रायोग का यह भी समाद्राम हो गरः है कि उसके पास इस श्रमकणता के लिए कोई प्रगण्य का या स्वार्थी। खरण नहीं है,

सन अब, उक्त अधिनियम की प्रारा 10-क के सनुस्ता में ित्तिन आयोग राइद्वारी उक्त भी धरोस्थर दान की मंतद के किसी भी पंदन के या किसा राज्य की विधान-सभा स्रयता विधान से पद्द के भदत्य चूने जाने सौर होने के लिए इस सादेश की तारीख में नीस प्रकृति का नाजाबिस के लिए निरहित घोषित करता है।

[দ০ সালাদ-বিত্ত ০/41/7৪(2)]

ORDER

S.O. 3200.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dharmeswar Das. Barpeta Town. Ward No. 4, P. O., Barpeta, District-Kamrup (Assam) a contesting candidate for general election to the Assam Legislative Assembly held in February, 1978, from 41-Bhabanipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even afer due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dharmeswar Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. AS-LA/41/78 (2)]

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8 ग्रगस्त, 1979

कां बर 3201—यनः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए विहार विधान यथा के निए गाधारण निर्वाचन के लिए 250-गया महर निर्वाचन-पेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीययार श्री गिरित्रर नारायण, मौहल्ला फर्नेह्मज, गया महर, जिला गया, बिहार लोक प्रतिनिधित्य स्थिनियम, 1951 तथा निर्दाच बनाए गए नियनो द्वार। प्रयोक्ति भवने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में धमकल रहे हैं,

भीर यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दि , जाने पर भी, इस श्रमफनता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निवचिन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रायकसना के लिए कोई एयपिन कारण या न्यायोचित्य नही है

भतः भव, उक्तं अधिनियम की धारा 10-क ने धनुगरण में निविधित आयोग एनदृद्वारा उक्तं औं गिरिधर नारायण को सगद के किसी भी सदग के या निर्मा राज्य की विधान गभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारील में नीम वर्ष की कालाबधि के लिए गिर्यहन बोलिस करना है।

[सं० बिहार-थि०म०/250/77(121)]

ORDERS

New Delhi, the 8th August, 1979

S.O. 3201.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Girlwar Narayan, Mohalla Fatehgani, Gaya City, District Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June. 1977 from 250-Gaya Town constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Girlwar Narayan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/250/77 (121)]

मावेश

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचन। दिए जाने पर भी इन अगक्तपता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गयः है कि उसके पास इस अनकतता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीजिस्य नही है,

श्रत सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के मनुगरण में निर्वाचन आयोग एनद्दारा उक्त श्री जोगेन्द्र सिंह को सगद के किसी भी भदन के या किसी राज्य की विधान राभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविधि के जिए निर्माहन घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०ग०/250/77(122)]

ORDER

S.O. 3202.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Yogendra Singh, Ward No. 4, Part 8, S. No. 134, House No. 7, Mohalla New Godown, Gaya, Post Nai Godown, District Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 250-Gaya Town constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yogendra Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/250/77 (122)]

मावेश

 गथा, बिहार लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदींन बनाए गए नियमी द्वारा अयेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाश्विल करने में अनकल रहे हैं;

श्रीर यतः उक्त उम्मीदवार ते, उसे राम्यक् सुचना दिए जाने पर मी, इस श्रमकतता के लिए कोई कारण श्रपका स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निविचन श्रायोग का यह मी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

प्रतः प्रवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 10क के प्रनुसरण में निर्वाचन यायोग एतव्द्वारा उक्त थी। रमाणंकर सिंह को मसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा प्रयंता विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देहन बीपित करना है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰/250/77(123)]

ORDER

S.O. 3203.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramashankar Singh, Manpur, Surhi Tola, P. O. Buniadganj, Gaya, Distt. Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihat Legislative Assembly held in June. 1977 from 250-Gaya Town constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 195!, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramashankar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

INO. BR-LA/250/77 (123)]

प्रावेश

नई दिल्ली, 9 प्रगस्त, 1979

का० बा० 3204 — यनः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया
है कि जून, 1977 में हुए बिहार विकास सभा के लिए गाधारण निर्वाचन
के निए 189-सिकन्दरा (अ० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वासे
उम्िक्दार श्री इन्द्र देव दास, ग्राम-पंचालय पाटम, जिला मृगेर, बिहार
लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 सथा सर्द्धान बनाए गए नियनो द्वारा
ग्राक्षित प्रवने निर्वाचन क्येयो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल
रहे है,

भीर, यतः, उक्त उर्म्माववार ने, उमे सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

प्रतः प्रव, उक्त प्रिविनियम की धारा 10क के प्रनुपरण में निर्वाचन भाजोग एनदद्वारा उक्त श्री इन्द्र देव दास को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विज्ञान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रोहिन घोषिन करना है।

[सं० बिहार-वि०स०/189/77(124)]

ORDER

New Deihi, the 9th August, 1979

S.O. 3204.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Indra Deo Das, Village-Post Patam, District Monghyi, Bihar, a contesting candidate for general election to

Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 189-Sikandra (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Indra Deo Das to be disqualified for being chosen as, and for being, member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/189/77 (124)]

द्मावेश

नई दिस्ली, 21 भगस्त, 1979

का० आ० 3205.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हा गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रवेग विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 212-निजामाबाद सभा निर्वाचन-क्रोव से चुनाव लड़ने नाले उम्मीदवार श्री ध्र० क्यूम, ग्राम क्यानुहीन पट्टी पोस्ट बडहारिया, जिला श्राचमगढ़ (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रोधिनियम 1951 तथा गर्द्यान बनाए गए नियमो द्वारा ध्रपेशित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमकष रहे है:

थीर यत: उक्त उम्मीदबार ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस भगकतना के लिए कोई कारण भयना स्पर्धाकरण नहीं दिया है भीर नित्रचिन भायोग कायह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भशकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिन्य नहीं है;

मतः भव उक्त मधिनियम की धारा 10-क के भनुगरण में निर्वाचन भायोग एत्यद्वारा उक्त श्री भ० कयूम को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान गना अयवा विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारी अ से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्हित धोषिन करना है।

[स॰ उ॰ प्र॰-वि॰स॰/212/77(50)] ORDER

New Delhi, the 21st August, 1979

S.O. 3205.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri A. Qayum, village Qamamuddinpatti, P. O. Badhariya, Azamgarh (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 212-Nizambad constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri A. Qayum to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/212/77 (50)]

माथेश

का॰ आ॰ 3206.—पत', निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 212-निजासाबाद सभा निर्वाचन-केन्न मे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री जमालुद्दीन, ग्राम क्यामुद्दीन पट्टी, पोस्ट बडहारिया, जिला भाजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखान करने मे भ्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसम्प्रता के लिए कोई करण भ्रमवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफन् लता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिस्य नहीं है;

असः अव, उक्त अधिनियम की आरा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री जमालुद्दीन को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीका से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्देश्वित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/212/77/(51)]

ORDER

S.O. 3206.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jamaluddin, village Qayamuddinpatti, P. O. Badhariya, District Azamgarh (Uttar Pradesh) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 212-Nizamabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jamaluddin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/212/77 (51)]

मादेश

नई विल्ली, 22 मगस्त, 1979

का॰ बा॰ 3207.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाक्षान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 285-त्रिया निर्वाचन-जेल से चुनाव लड़मे वाले उम्मीदवार श्री राजेन्द्र प्रसाद भग्नवाल, पो॰ ग्रारिया, जिला धनवान, बिहार लोक प्रति-निधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेकित भपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीवधार ने, उसे सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रौर निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यामीचित्य नहीं है;

भ्रत भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 10क के मनुसरण में निर्वाचन प्रामोग एतव्हारा उक्त भी राजन्त्र प्रसाद भ्रममाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रमवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भ्रावेश की तारीख से तीम वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/285/77(125)]

ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1979

S.O. 3207.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajendra Prasad Agrawal, P.O. Jharia, District Dhanbad, Bihar, a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June 1977 from 285-Jharia constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajendra Prasad Agrawal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/285/77 (125)]

मादेश

का० आ० 3208.— पतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 285-सरिया निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले अम्मीववार श्री राम जनम सिंह, ग्राम व पो० जेलगोरा, जिला धनबाद, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा झपे- क्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रमवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रामोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यामौजिस्य नहीं है,

ग्रतः, ग्रवः, उक्त ग्रीधिनियक्ष की घारा 10क के ग्रनुमरण में निर्वाचन ग्रामोग एनदृष्ठारा उक्त श्री राम जनम सिंह को संसद्य के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा ग्रयवा विधान परिवद् के सवस्य चुने जराने ग्रीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से सीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्साहत घोषित करता है।

[सं० विहार-वि०स०/285/77(126)]

ORDER

S.O. 3208.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Janam Singh, Village-Post Zailgora, District Dhanbad, Bihar, a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 285-Jharla constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Janam Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/285/77 (126)]

स्रावश

का० घा० 3209.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान मभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 285-क्षरिया निर्वाचन-श्रेल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदसार श्री राम प्रमाद सिंह, पाथरजीह, ईद गाह मुहस्ला, पो० पाथरडीह, जिला धनबाद, बिहार लोक प्रतिनिधित्व प्रियंनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमफल रहे हैं;

श्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलना के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्याचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गमा है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीबित्य नहीं है; अत. अन, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्दारा उक्त श्री राम प्रसाद सिंह की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयबा निधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निरहित घोषिन करता है।

[स॰ मिहार-वि॰स०/285/77(127)]

ORDER

S.O. 3209.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Prasad Singh, Pathardech Idgah, Mohalla P.O. Pathardech, District Dhanbad, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly, held in June, 1977 from 285-Jharia constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all/as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Prasad Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/285/77(127)]

ग्रावेश

का० आ० 3210.—प्रतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-शिवहर निर्वाचन-श्रेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री ग्रयोक कुंवर, ग्राम श्रम्बाकला, राजपूत टोला, पो० ग्रा० श्रम्बाकला, जिला सीतामड़ी, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन ब्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पब्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

भतः ग्रम, उक्त श्रीधिनयम की धारा 10क के प्रमुक्तरण में निर्वाधन भायोग एतव्द्वारा उक्त श्री प्रशोक कुंबर की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य जूने जाने और होने के लिए इन भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्शहत घोषिन करता है।

[स० बिहार-वि०स०/66/77(128)]

ORDER

S.O. 3210.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ashok Kunwar, Village Ambakala Rajput Tola, P.O. Ambakala, District Sitamarhi, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 66-Sheohar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all/as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ashok Kunwar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/66/77(128)]

सावेश

का० आ० 3211.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए बिहार विधान भभा के लिए राधारण निर्वाचन के लिए ति6-शिशहर निर्वाचन-श्रोत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मा० जमील अस्तर, ग्राम बनहीया गेख गढ़वा टोला, पो० पिपराही, जिला सीलामढ़ी, बिहार लोक प्रतिनिक्षित्व श्रीनियम, 1951 तथा सञ्जीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमकल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उमें तस्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इत अमफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्दाचन श्रायोग को यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस अमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10क के श्रभुमरण में निर्वाचन श्रीयाग एनद्द्वारा उक्त श्री मों जनील श्रव्तर को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य का विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जान सौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्राहन घोषित करता है।

[स॰ बिहार-वि॰स०/66/77 (129)]

ORDER

S.O. 3211.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohd. Jamil Akhtar, Village Washeeya Sheikh Garhwa-Tola, P. O. Piprarhi, District Sitamarhi, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 66-Sheohar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohd. Jamil Akhtar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/66/77(129)]

श्चादेश

का० था० 3212.—-भत, निर्वाचन आयोग का गमाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए गाधारण निर्वाचन के लिए 208-घोमी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने याल उम्मीद-यार श्री दूधनाथ, ग्राम नदवलनरफ पोस्ट घोमी, जिला ग्राजमगढ़ (उत्तर प्रदेण) लोक प्रतिनिधित्व ग्रीधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाएगए नियमो द्वारा ग्रिपेक्त प्रपत्ने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा याखिल करने में समफल रहे है;

न्नीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमकत्ता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उगके पास इस श्रमकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचिद्वय नहीं है;

श्रतः ग्रबं, उक्त श्रिशित्यमं की धारा 10-क के श्रनुगरण में निर्वाचन आयोग एमव्दारा उक्त श्री दूधनाय को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के गवस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्शतन घोषिस करता है।

[स॰ उ॰ प्र॰-वि॰स॰/208/77(53)]

ORDER

S.O. 3212.—Whereas the Election Commission Is satisfied that Shri Doodhnath, village Nadwal Sarfu, Post Office Ghosi District Azamgarh (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 208-Ghosi constituency has failed to lodge

an account of his election expenses at all/as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Doodhnath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/208/77(53)]

मादेश

का० आ० 3213.—— तिर्वाचन माथोग का समाधान हो गये है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेग विधान गना के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 208-घोती निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उन्मीद-वार श्री हरनारायन, ग्राम भरौली, पोस्ट जगवोशपुर, जिला ग्रामगढ़ (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधानेयन, 1951 सना मर्द्धान बनाए गए नियमों द्वारा भ्रमेक्षित ग्रंपन निर्वाचन व्ययों का कोई भा लेखा दाखिल करने में श्रसकन रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदशार ने, पन्यक् सूचन। दिर् जार पर भा, इस श्रासकनता के लिए कोई कारण श्राप्ता स्पर्ध्यकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हा गया है कि उनके पाग इस श्रमकनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

यतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 10-क के प्रनुगरण में निर्वाचन प्रायोग एतव्हारा उक्त श्री हरनारायन की सनद के किसी भारदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथम विधान परिषद् के नदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस प्रादेश का तारीख से तीन वर्ष की कालाबिब के लिए निर्राहत घोषिस करता है।

[स॰ उ॰ प्र॰-थि॰ ७०/208/77(54)]

ORDER

S.O. 3213.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Harnaran, village, Bharauli, Post Office Jagdishpur, District Azamgarh (Uttar Pradesh) a contesting candidate tor general election to Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 208-Ghosi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all/as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Harnarain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/208/77(54)]

मादेश

नई दिल्लो, 23 प्रगस्त, 1979

कां आरं 3214.—पता, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए अ9-मढ़ीरा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चन्त्रेष्टर राय, ग्राम रामचक, पत्रालय बरदिया, जिला लारण, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तक्षीन बनाए गए निवनो क्षारा महेक्षित अरंने निर्वाचन व्ययों ना कोई भी लेखा वाचिन एउने में अनकल रहे है,

र्धार यस, उक्त उर्ध्भादवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफनता के लिए कोई कारण श्रयता स्पर्धाकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायाग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रासफलता के लिए कोई प्रयोध्य कारण या न्यायोखित्य नहीं है,

श्रतः श्रवं, उक्त श्रांधोनयम का प्रारा 10क के श्रतुभरण में निर्वाचन श्रायोग एनव्दारा उक्त श्री चन्द्रेश्यर राय की ससद के किसी भी भवन के या किसी राज्य की विद्यान श्राया विश्वान परिचद् के सदस्य चुने जाने श्रीर हान के लिए इस श्रादेश का रार्राख में तीन वर्ष की कासायश्रि के लिए निर्वाद करता है।

[स**० बिहार-बि०**स०/39/77(130)]

ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1979

S.O. 3214.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shi Chandreshwar Rai, Village Ramchak, P. O. Bardahia, District Saran, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 39-Marhaura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all/as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chandreshwar Rai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/39/77(130)]

ग्रावेश

का० ग्रा० 3215.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान समा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 39-मढ़ौरा निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाल उम्मीदवार श्री वकील प्रमाद यावव, ग्राम तथा पो० ग्रा० तेजपुरवा, थाना मढ़ौड़ा, जिला सारण, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रिकेत ग्रपने निर्वाचन व्यया का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

और यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचन। दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिस्य मही है;

मतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन मायोग एतद्वारा उक्त श्री वकील प्रसाव यावव की संसद के किसी भी सवव के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सवस्थ चुने जाने भीर होने के लिए इस झावेश की सारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राष्ट्रत घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०सं०/39/77(131)]

ORDER

S.O. 3215.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Wakil Prasad Yadav, Village & P. O. Tejpurwa, Thana Marhaura, District Saran, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June 1977 from 39-Marhaura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all/as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure; Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Wakil Prasad Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/39/77(131)]

नई विल्ली, 24 घगल्न, 1979

का० आ० 3216.—लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारन निर्वाचन धायोग, विषुरा सरकार के परामर्श से श्री जे० के० भट्टाचार्य के स्थान पर श्री एच० दास०, विधिक परामर्शी सथा सचिव, विधि विभाग, विषुरा सरकार को तारीख, 8 ग्रगस्त, 1979 से ग्रगसे प्रावेशी तक विषुरा राज्य के मुख्य निर्वाचन ग्रिधिकारी के रूप में एतद्वारों नामनिर्देशिन करता है।

[सं॰ 154/क्रिप्रा/79]

New Delhi, the 24th August, 1979

S.O. 3216.—In exercise of the nowers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Tripura hereby nominates Shri H. Das, Legal Remembrancer and Secretary. Law Department, Government of Tripura, as the Chief Electoral Officer for the State of Tripura with effect from the 8 August, 1979 and until further order vice Shri J. K. Bhattachariya.

[No. 154/TP/79]

झावेश

नई दिल्ली, 27 धगस्त, 1979

का श्या 3217 — यतः निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 112-इलमऊ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री श्रव्युल साविक, ग्राम व पोस्ट बहाई, जिला रायबरेली (उत्तर प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व स्रधिनियम, 1951 तथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित धपने निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में समफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीवकार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण था ग्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्धावन भायोग एतद्वारा उक्त श्री प्रब्दुल सादिक को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/112/77/(60)]

ORDER

New Delhi, the 27th August, 1979

S.O. 3217.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abdul Sadiq, village and Post office Bahai, Rae-Barielly (Uttar Pradesh) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 112-Dalmau constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Flection Commission hereby declares the said Shri Abdul Sadiq to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/112/77(60)]

म्रादेश

कारकार 3218.—यन, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 112-उलमऊ निर्वाचन केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री जगन्नाथ प्रसाद ग्राम व पोस्ट वौलनपुर जिला, रायधरेली (उत्तर प्रवेण) लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा भ्रपेक्षित निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रमफल रहे हैं;

ग्रीर यत, उक्त उम्मीवबार ने, सम्मक सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है ग्रौर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उमके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः अब , उक्त अधिनियम की घारा 10-क के भनुभरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री जगसाथ प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान सभा ग्रयवा विधान परिचद् के सदस्य जुने जाने और होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषिल करना है।

[सं० उ०प्र०-बि०स०/112/77(61)]

ORDER

S.O. 3218.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagannath Prasad, village and Post office Daulatpur, District Rae-Barielly (Uttar Pradesh) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June. 1977 from 112-Dalmau constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Jagannath Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/112/77(61)]

म्रादेश

कार्ण्याः 3219 — यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जुन, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 127-रानी गंज (भ्रव्जाव) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मी-वार श्री नारायण बैठा, ग्राम-गोस्ट मिजपुर जिला पूणियां, बिहार लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 नथा नव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे

ग्रीर थतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस धसफलता के लिए कोई कारण ध्रमका स्पष्टीकरण नहीं विद्या है धौर निर्वाचन धायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ध्रसफलता के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है; भन प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की द्वारा 10क के प्रमुसरण में निर्वाधन ग्रायोग एलव्दारा उक्त श्री नारायण बैठा को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य भुने जाने ग्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीश्रा से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहन घोषित करना है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰/127/77(132)]

ORDER

S.O. 3219.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narain Baitha, Village-Post Mirjapur, District Purnea, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 127-Raniganj (S.C.) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Naraln Baitha to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No BR-LA/127/77(132)]

श्रादेश

का॰ का॰ 3220 — यतः, निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि भून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 127-रानी गंज (म॰जा॰) निर्वाचन-शेव से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-बार श्री सहदेव पासवान, ग्राम रानीगंज (वैरवज्ञा), पो॰ मेरीगंज, जिला पूणिया, बिहार लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ससफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कीई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन प्रायोग का यह भी समोधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रस-फलता के लिए कीई पर्याप्त कारण या न्यायौषिस्य नहीं है;

अतः अधं, उक्त अधिनियम, की धारा 10क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एतव्द्वारा उक्त श्री सहदेव पासवान को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रयदा विधान परिवद् के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस धावेस की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करना है।

[सं॰ बिहार-वि॰ स॰ / 127 / 77 (133)]

ORDER

S.O. 3220.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sahdeo Paswan, Village Raniganj (Bairbanna), P.O. Meriganj, District Purnea, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 127-Raniganj (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shii Sahdeo Paswan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State tor a period of three years from the date of this order

[No BR-LA/127/77(133)]

नई दिल्ती, ४९ ग्रगस्य, 1979

का० आ१० 3221 — लोक प्रतिनिज्ञित्य श्रीधित्यम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश गित्रियों का श्रयोंग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, उद्योग सरकार के परामर्ण में श्री लक्ष्मीधर मिश्रा के स्थान पर श्री एस०एम० पटनायक, आई०ए०एम०, सरकार के श्रतिरिक्त मिचन, गृह विभाग को नारीख 16 जून, 1979 से अगले आदेशों तक उद्योग राज्य के मुख्य निर्वाचन श्राधिकारी के रूप में एनदशरा नामनिर्वेशित करता है।

[म॰ 154/उडीमा/79(i)]

New Delhi, the 28th August, 1979

S.O. 3221.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Orissa hereby nominates Shri S. M. Patnaik, IAS, Additional Secretary to Government, Home Department, as the Chief Electoral Officer for the State of Orissa with effect from the 16th June, 1979 and until further orders vice Shri I avmidhar Mishra.

[No 154/OR/79(n)]

कारुआर 3222 — लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत निर्वाचन आयोग, उडीमा मरकार के परामणें से श्री एम० एम० पटनायक के स्थान पर श्री पी० के० पटनायक, आई०ए०एम०, सरकार के सचिव, स्थास्थ्य और परिवार कल्याण त्रिभाग को उनके कार्यभार मम्भालने की नारीख से अगले आदेशों तक उडीमा राज्य के मूक्य निर्याचन अधिकारी के एप में एनव्हारा नामनिर्वेशन करना है।

[स॰ 154/उडीसा/79(11)]

S.O. 3222.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Orissa hereby nominates Shri P. K. Patnaik, IAS, Secretary to Government, Health and Family Welfare Department, as the Chief Electoral Officer for the State of Orissa with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri S M Patnaik.

[No 154/OR/79(II)]

प्रादेश

नई दिल्ली, 30 ग्रगम्न, 1979

का श्वार 3223 ----यतः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 401-आगपन निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीववार त्री ईश्वर, मन्डी धानन्दगंज, बड़ीन, मेरठ, उत्तर प्रवेश लोक प्रितिमिक्षक धिनियम, 1951 तथा तद्यीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षिन धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिस करने में ध्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मोबबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है धौर निर्वाचन ग्रामीग का यह समाधान हो गया है कि उसके पान इस ग्रमफलना के लिए कोई कारण या न्यामौजित्य नहीं है;

धारः भ्राव, उक्त भिवित्यम की घारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्दारा उक्त श्री ईश्वर को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्राथना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत बोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि० स०/401/77(63)]

ORDER

New Delhi, the 30th August, 1979

S.O. 3223.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ishwar, Mandi Anand Ganj, Daraut, Meerut, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 401-Bagpat constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ishwar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/401/77(63)]

द्यावेश

का० बा० 3224—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 402-बरनावा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीवावर श्री जितेन्द्र सिंह, ग्राम व डाकखाना निरपुड़ा, जिला मेरठ उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेकित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस मसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पान इस घसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम भी घारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतब्द्वारा उक्त श्री जितेंद्र सिंह, को संसद के किसी भी सदन के था किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य भूने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीश्व से तीन वर्ष की कालाविध के के लिए निर्राहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/402/77(64)]

ORDER

S.O. 3224.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jitendra Singh, village and Post Nirpuda, District Meerut, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 402-Barnawa constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jitendra Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/402/77(64)]

नई दिल्ली, 31 धगस्त, 1979

कारुझा 3225 — लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43)) की धारा 13 क की उपधारा (1) द्वारा प्रवेत शिक्तियों का प्रयोग करते हुए; भारत निर्वाचन भायोग, पश्चिमी बंगाल सरकार के परामशं से श्री रियन्द्र नाथ सेनगुष्ता के स्थान पर श्री ए० सैन, माई०ए०एस०, सिचय गृष्ट (संविधान भीर निर्वाचन) विभाग को सारीख 2 विसम्बर, 1979 से भगले धादेशों तक पश्चिमी बंगाल राज्य के मुख्य निर्वाचन भविकारी के रूप में एतद्वारा नामनिर्देशित करता है।

[सं० x54/प०वं०/79]

New Delhi, the 31st August, 1979

S.O. 3225.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of West Bengal hereby nominates Shri A. Sen, IAS, Secretary, Home (Constitution and Elections) Department as the Chief Electoral Officer for the State of West Bengal with effect from 1st September, 1979 and until further orders vice Shri Rathindra Nath Sengupta.

[No. 154/WB/79]

का॰ आ॰3226---लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43) की घारा 13क की उपधारा 1 द्वारा प्रवस्न प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए ; भारत निर्याचन ग्रायोग लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन के पागमर्थ से श्री एन० बी० चावला के स्थान पर श्री पी० एम० नैयर, प्रशासक को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से ग्रगले ग्रादेशों तक सक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के मुक्य निर्वाचन ग्राफिसर के रूप में एतद्ववारा नामनिर्वेशित करता है।

[सं॰ 154/लक्षद्वीप/79] वी॰ नागसूत्रमण्यन, सचिव

S.O. 3226.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, m consultation with the Administration of the Union Territory of Lakshadweep hereby nominates Shri P. M. Nair, Administrator, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Lakshadweep with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri N. B. Chawla.

[No. 154/LKD/79]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secv.

क्राजे क

नई दिल्ली, 22 धगस्त, 1979 🕺

का॰ बा॰ 3227—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 42-राजगीर (प्र० जा०) निर्वाचन-शेल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुरपाल सिंह, श्राम व डाकघर पालमपुर, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तव्वीन बनाए गए नियमों द्वारा धपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ससफल रहे हैं;

भौर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर नियंचिन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायी विस्य नही है;

2656

श्रत:, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भन्सरण में निविचन भायोग एतव्हारा उक्त श्री गुरपाल सिंह को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रमवा विधान परिषद के स्वस्य चने जाने और होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित भोषित करता है।

[सं० हि० प्र० -वि०स०/42/77(5)]

ORDER

New Delhi, the 22 August, 1979

S.O. 3227.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gurpal Singh, Village and P.O. Palampur, Tehsil Palampur, District Kangra (Himachal Pradesh), a contesting cundidate for general election to the Himachal Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 42-Rajgir (SC) constituency, has failed to lodge an account of ihs election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gurpal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. HP-LA/42/77(5)1

यावेश

नई दिल्ली, 27 धगस्त, 1979,

का० आ.03228.--यतः निर्वाचन मायोग का समाघान हो गया है कि x977 में हुए हरियाणा विधान समा के लिए साधारण निअचिन के लिए 77-रितया (ग्र०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भस्सा भुपुत्र श्री दातु राय, गांव व डाकखाना कलहदी, तह० टोहाना, जिला हिसार, हरियाणा लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्-धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं हैं;

अत; सब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वचन द्मायोग एसव्व्वारा उक्त श्री भल्ला को संसव के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान समा प्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के क्षिए निरहिंत घोषित करना है।

[सं० हरि०-वि० स०/77/77]

ORDER

New Delhi, the 27th August, 1979

S.O. 3228.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhalla, Village & Post Office Kanhri, Tehsil Tohana, District Hissar, Haryana a contesting candidate for general

election to the Haryana Legislative Assembly held in 1977 from 77-Rattia constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhalla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/17/17]

स्तरेश

का॰ झा॰ 3 2 29.--- यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जुन, 1977 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिये साधारण निर्धाचन के लिए 189-फरेंबा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम जी, ग्राम कल्यानपुर, पोस्ट पीपीगंज, जिला गोरखपूर (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा मपे-क्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पय्टीकरण नही दिया है ग्रौर निर्वाचन बायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई वयप्ति कारण या त्यायीचित्य नहीं है;

द्यत. श्रव, उक्त समिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन मायोग एतदहारा उक्त की राम जी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथमा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर-हित घोषित करता है।

> [सं० उ०प्र०वि०स०/189/77(62)] ध्र० कू० घटर्जी, ग्रवर सचिव

ORDER

S.O. 3229.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramji, Village Kalyanpur, Post Office Peepiganj, District Gorakhpur (Uttar Pradesh) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 189-Pharenda constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald A.t, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/189/77(62)]

A. K. CHATTERJI, Under Secy.

सावेश

नई दिल्ली, 24 ग्रगस्त, 1979

का॰ न्ना॰ 3230.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए कर्नाटक विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 118-ननजनगृष्ठ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री एल॰ नगप्पा, सं॰ 99, बम्माडगेरी, ननजनगृष्ठ, जिला मैसूर (कर्नाटक) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहें है.

भौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः प्रज, उक्त श्रीधिनियमं की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्दारा उक्त श्री एल ॰ नगत्पा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विश्वान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कलावाधि के लिये निर्राहित घोषित करता है।

[संख्या कर्नाटक-वि० स०/118/78(12)]

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1979

S.O. 3230.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri L. Nagappa, No. 99. Thammadageri, Nanjangud, District Mysore (Karnataka), a contesting candidate for general election to the Karnataka Legislative Assembly held in February, 1978 from 118-Nanjangud assembly constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri L. Nagappa to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KT-LA/118/78(12)]

पारेश

का॰ मा॰ 3231.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1979 में हुए म्रान्ध्र प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 90-निरुमोलु (भ्र॰ जा॰) निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भसीरवादम कोडाली, चल्लापल्ली, विवी ताल्लुक, क्रुष्णा जिला (भ्रान्ध्र प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनयम, 1951 तथा तद्गीन बनाए गए नियमो द्वारा भपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में भसफल रहें हैं;

भौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना विए आग पर भी, भ्रपनी इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भौर, निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौकिश्य नहीं है;

मत: मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन धायोग एतव्दारा उक्त श्री मसीरबादम कोडाली को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा मथवा विधान परवद् के सबस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[संख्या धा०प्र०-वि०स०/90/79/(उप) (46)]

ORDER

S.O. 3231.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Aseervadam Kodali, Challapalli, Divi Taluk, Krishna District (Andhra Pradesh), a contesting candidate for bye-electric to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in January, 1979 from 90-Nidumolu (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he hads no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ascervadam Kodali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/90/79-Bye(46)]

धावेश

मई विल्सी, 29 प्रगस्त, 1979

का श्वार 3232.—यतः, निर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए कर्नाटक विधान समा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 80-किन्नीपेट सभा निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धमीत वाशा, सं० 37, कार्ट स्टैंड रोड, जाली मोहल्ला, बंगलौर-58 लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दिखल करने में धसफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदश्वार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस धसफलता के लिये कोई कारण धथवा स्पब्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रासफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है;

मतः मन, उक्त मिधिनियम की घारा 10-क के मनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भमीत बाका को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-समा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्राहत बोबित करता है।

> [संख्या कर्ना०-वि० स०/80/78(13)] वी० के० राव, ग्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 29th August, 1979

S.O. 3232.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ameet Basha, No. 37, Cart Stand Road, Jalimohalla, Bangalore-58, a contesting candidate for general election to the Karnataka Legislative Assembly held in February, 1978 from 80-Binnypet assembly constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ameet Basha to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KT-LA/80/78(13)]

V. K. RAO, Under Secv.

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(स्याय विभाग)

नई विस्थी, 31 भगस्त, 1979

का॰ यां ॰ 3233. — संविधान के प्रमुख्छेद 300 के परन्तुक के अधीन प्रवत्त क्षक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतव्हारा निवेश वेते हैं कि पांक्रिकेरी के अपराज्यपास निम्मलिखित मामसे को नियमित करने के लिए संब शासित क्षेत्र पांडिबेरी में न्यायिक सेवा के संबंध में और उस संब शासित क्षेत्र के कार्यों से संबंधित पदों (जहां तक यह कार्य न्यायिक प्रशासन से संबंधित है) के लिए नियम बनाने की शक्ति का प्रयोग करेंगे, भयति:—

- ऐसी सेवा भीर पदों पर भर्ती की पद्धति,
- 2. ऐसी सेवा भौर पदों पर नियक्ति के लिए भावश्यक भहताए भौर
- ऐसी सेवा भीर पदों पर नियुक्त व्यक्तियों की परिक्षीक्षा, स्थायी-करण, वरिष्ठता भीर पदोन्नित से संबंधित सेवा की गर्ते !
- (2) इस निवेश के झमुसरण में उप राज्य पाल द्वारा परिवीक्षा, स्थायीकरण, वरिष्ठता झयवा पदोन्नति संबंधी बनाए गए नियमों समेत सभी मर्ती नियम मद्वास उच्च स्यायालय के परामगं से बनाए जाएगें।

[संक्या 30/16/76-न्याय] मार० के० मजुमवार, मदर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (Department of Justice)

New Delhi, the 31st August, 1979

- S.O. 3233.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby directs that the Lt. Governor of Pondicherry shall exercise the power to make rules in the case of the Judicial Service of the Union territory of Pondicherry and posts in connection with the affairs of that Union territory (in so far as such affairs relate to the administration of justice) for regulating all or any of the following matters, namely:—
 - (i) the method of recruitment to such Service and posts;
 - (ii) the qualifications necessary for appointment to such Service and posts; and
 - (iii) the conditions of service of persons appointed to such Service and posts in so far as such conditions relate to probation, confirmation, seniority and promotion.
- 2. Any recruitment rules, including any rule relating to probation, confirmation, seniority or promotion, made by the Lt. Governor in pursuance of this direction shall be made in consultation with the Madras High Court.

[No. 30/16/76-Jus.] R. K. MAZUMDER, Under Secy.

गृह मंत्रालय

भावेश

नई विल्ली, 4 सितम्बर, 1979

का॰ 3234. — संघ राज्य केंद्र सासन धिविनयमं, 1963 (1963 का 20) की धारा 27 की उप-धारा (3) के बंद्र (क) के ध्रनुसरण में तथा भारत सरकार के गृह मंद्रालय की तारीख 2 फरवरी, 1979 की प्रधिसूचना संख्या एस॰ धो॰ 575 का अधिकमण करते हुए राष्ट्र-पति यह प्रवधारित करते हैं कि प्रप्रैल, 1979 के प्रथम दिन को या उसके पश्चात् प्रारम्भ होने वाले हर एक वित्तीय वर्ष के लिए, गोधा, दमण धौर दीव के प्रशासक के पद से संबंधित निम्नलिखित मदों पर स्थय, प्रशासक की उपलब्धियों धौर धनों से भिन्न, की राश्चि 4.60 साख रुपए से अधिक न होगी, प्रयात् :—

- (i) प्रशासक का कर्मवारिवृत्य और घरेलू साज-समान ;
- (ii) प्रशासक की भोटर भौर ग्रन्थ गाड़ियां ;
- (iii) प्रशासक के निवास स्थान का मूल निर्माण भीर उसका भन्-रक्षण ; भीर

(IV) प्रशासक का लिपिकीय कर्मचारियुन्य

परन्तू र्याद किसी वित्तीय वर्ष में ब्यय, प्रशासक के कार्यालय कर्मभारिकृत्व की उपलब्धियों में ऐसी वृद्धि, जो वृद्धि धेतनवृद्धियों प्रीवृभूत होने के कारण हुई है या सरकार द्वारा समय-सयम पर मजूर किए गए भक्तो में बुद्धि, के परिणामस्वरूप उक्त राणि 4.60 लाख रुपये से मधिक हो जाता है तो वह राणि उस वृद्धि के परिमाण तक हुई समझी जाएगी।

> [संख्या यू०-11012/12/78-यू० टी० एल०] एम० वीं ० शरण, संयुक्त समित

MINISTRY OF HOME AFFAIRS ORDER

New Delhi, the 4th September, 1979

S.O. 3234.—In pursuance of clause (a) of sub-section (3) of section 27 of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 575, dated the 2nd February, 1979, the President hereby determines that for each of the financial years commencing on and after the 1st day of April, 1979 the expenditure on the following items relating to the office of the Administrator of Goa, Daman and Diu, other than the Administrator's emoluments and allowances, shall be a sum not exceeding Rs. 4.60 lakhs, namely:-

- (i) Staff and House-hold of the Administrator;
- (ii) Motor and other vehicles of the Administrator:
- (iii) Original works and maintenance of the residence of the Administrator; and
- (iv) Secretarial staff of the Administrator;

Provided that, if, in any financial year, the expenditure exceeds the said sum of Rs. 4.60 lakhs consequent on increase in the emoluments of the staff of the office of the Administrator, such increase being occasioned by accrual of increments or increase in the allowances sanctioned by the Government from time to time, the said sum shall be deemed to be raised to the extent of such increase.

> [No. U-11012/12/78-UTL] S. V. SHARAN, Jt. Secy.

बिरा मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई विल्ली, 17 जुलाई, 1979

का० चा० 3235.--मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का मधिनियम 43) की धारा 269(ख) की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस सम्बन्ध में सभी पूर्ववर्ती मावेशों का जहां तक जनका सम्बन्ध पश्चिम बगाल से है, ब्रधिलंघन करते हुए केन्द्रीय सरकार, एसपुद्वारा इस ब्रावेश के साथ उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्विष्ट प्रत्येक सक्षायक सायकर सायुक्त की, उक्त सारणी के स्तम्म (3) में विनि-विंद्य स्थानीय सीमाश्रो के भीतर, उक्त श्रीधनियम के श्रव्याय XXक के ग्रन्तर्गेत सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिये। प्राधिकृत करती है:

सारही

2 3 1 1. निरीकी सहायक ग्रायकर गायुक्त, बढ़ा बाजार, बेनियापुकुर, बोबाजार,

चित्रप्रहण रेंज-I, कलकत्ता । ऐनतस्सी, मंथीपारा, पार्कस्ट्रीट ग्रीर नासतला स्थित पुलिस थाने ।

2. निरीक्षी सहायक ग्रायकर गामुक्त, मलीपूर बेहाला, बेलाबाट, काशीपूर, मधिप्रहण रेज-III, कलकता । चितपूर, वमवम गा**र्डमरीच, हेस्टिर**ंज, लेक टाउन, महेशनाना, मानिकताला, मेलिय-बुज, नारकेलडगा, न्यु झलीपूर, फुल बागान, सास्ट लेक, साउप डिविजन पोर्ट पुलिस, उस्टाइगा भौर बाटगज स्थित पुलिस थाने ।

 निरीक्षी सहायक प्रायकर प्रायक्त, मधिग्रहण रेज-III. कलकत्ता ।

भ्रम्नहर्स्ट स्ट्रीट, बस्लीजुगेर, गवानापूर, बङ्गरुला, ढाक्रिया, हरे स्टीट, जावबपूर, जोरासांको, जोरा-बागान, कारिया, श्यामपुकुर भौर टोलीगज स्थित पुलिस धाने ।

 निरीक्षी सहायक भायकर भायकत, उपर्युक्त से भिन्न समस्त पश्चिम बगाल । मधिप्रहण रेंज-IV, कलकत्ता ।

यह भावेण 1 भगस्त 1979 से लाग होगा।

[स॰ 54/79—फा॰ स॰ 316/74/79/धन-कर]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Telni, the 17th July, 1979

S.O. 3235.—In exercise of the powers conferred by sub-se tion (1) of Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in supersession of all previous orders in this respect, so far as they relate to West Bengal, the Central Government hereby authorises every Assistant Commissioner of Income-tax specified in the Column (2) of the table appended to this order to perform the functions of a competent authority under Chapter XXA of the said Act, within the local limits specified in column (3) of the said table:

TABLE

1. Insrecting Assistant Com- Police stations at Burrabazar missioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

2

Beniapukur, Bowbazar, Entally, Muchipara, Park Street and Taltala.

3

2. Inspecting Assistant Com- Police stations at Alipore Behala, missioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta.

Belaghata, Cossipore, Chitpore. Dum Dum Ekbalt ore, Garden Reach, Hastings, Lake Town, Maheshtala, Manicktala, Metiabruz, Narkeldanga New Alicore, Pheol Bagan, Salt Lake. South Division Port Police Ultadanga and Watgunj.

3. Instecting Assistant Com- Police stations missioner of Income-tax, Acquisition Range III, Calcutta.

at Amhers Street, Ballyjunge, Hhowanipore, Burtalla, Dhakuri Hare Street, Jadavpore, Jora-Sanko, Jora-Bagan, Karia, Shyamtukur and Tollygunge.

4. Inspecting Assistant Com- Enitre West Bengal other than missioner, Income-tax. Acquisition Range-IV Calcutta.

the above.

This order shall come into force with effect from 1-8-1979.

[No. 54/79.—F. No. 316/74/79-WT[

नई दिल्ली, 10 धगस्त, 1979

का० आ1० 3236.—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब्र की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर प्रपने दिनाक 23 मई, 1977 के भ्रादेश सं० 37/77-फा० स० 316/211/76-धन कर का प्रधिलघन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, आवेश देती है कि दिनाक 23 मई 1977 के उपर्युक्त धावेश के साथ संलग्न सारणी में, क्रम सं० 13ग श्रीर 13घ में की गयी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रसिस्थापित किया जायेगा—

सारएी

	जालन्धर जिले की नवागहर तहसील छोड़कर पंजाब के जालन्घर, कपूर-
जालन्धर ।	थला, होशियारपुर जिले ।
13(घ) निरीक्षी सहायक भायकर	पंजाब के भटिण्डा, फिरोजपुर मौर

2. यह आदेश 16 अगस्त 1979 से लागू होगा।

2

म्रायुक्त, म्रभिग्रहण रेंज,

भटिण्डा ।

[सं॰ 62/79—फा॰ सं॰ 316/180/79-धन कर] एस॰ श्रार॰ गप्ता, ग्रवर सचिव

फरीदकोट जिले धौर जालन्धर

जिले की नंबाशहर तहसील।

New Delhi, the 10th August, 1979

S.O. 3236.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of their order No. 37/77-F.No. 316/211/76-WT dated the 23rd May, 1977, the Central Government hereby order that in the table appended to the aforesaid order dated 23-5-1977, the entries in S. No. 13C and 13D shall be substituted by the following:—

TABLE

1	_ 2	3	
13(C) Inspecting Commission come-tax, Range, Julia	ner of In- Acquisition	pur, District	urthala, Hoshiar- is of Punjab anshahar Tehsil Pistrict.
	ner of In- Acquisition	_	stricts of Punjab nahar Tehsil of

2. This order shall come into force with effect from 16-8-1979.

[(No. 62/79--F. No. 316/180-79-WT)]

S. R. GUPTA, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा-शस्क समाहर्ता का कार्यालय

बंगलौर, 8 घगस्त, 1979

सीम-ाशुल्क

का० आ० 3237.—सीमा-मुल्क प्रधिनियम, 1962 की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शृहक एवं सीमा मुक्क कर्नाटक समाहर्तालय बंगलौर एतवृद्धारा, विनांक 23 सितम्बर, 1968 को मैसूर केन्द्रीय उत्पाद शृहक समाहर्तालय बंगलौर द्वारा जारी की गयी प्रश्चिमुखना सी० मं० - VIII/48/65/67-सीमा शुल्क के साथ उपाबद्ध सारणी में मंगलौर बन्दरगाह में मंगलौर पोर्ट ट्रस्ट की घाट संख्या 29 तथा 30 पर उचित बस्तुग्री को उतारन के लिए भनुमोदन करते हैं।

यह प्रशिक्षचना दिनांक 30-7-1980 तक प्रभावी रहेगी।

[संख्या 4/79/सी० सं० -VIII/48/85/79-सीमाशुरक[रवीन्द्रनाथ शुक्ल, समाहुर्ता

Office of the Collector of Central Excise and Customs

Bangalore, the 8th August, 1979

CUSTOMS

S.O. 3237.—In exercise of the powers conferred by section 8 of the Customs Act, 1962, the Collector of Central Excise and Customs, Bangalore, Karnataka Collectorate hereby approves wharf No. 29 and 30 of Mangalore Port Trust at the Port of Mangalore specified in the Table appended to the notification C. No. VIII/48/65/67 Cus. dated 23rd September, 1968, issued by Mysore Central Excise Collectorate, Bangalore for the unloading of free goods also.

This notification will remain in force upto 30-7-80.
[No. 4/79/C. No. VIΠ/48/85/79 Cus.]
R. N. SHUKLA, Collector

नई बिस्ली, 13 ग्रगस्त, 1979

ग्रायकर

का॰ आ॰ 3238.—भायकर धिवियम 1961 (1961 का 43) की घारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा श्री पी॰ पी॰ भटनागर-[] ग्रीर श्री एस॰एल॰ कुबा को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपित अधिकारी हैं, उक्त धिवियम के प्रधीन कर बसूली अधिकारी की मिक्तयों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती हैं।

2. श्री जे० प्रार० जैन श्रीर श्री पी०सी० प्रक्रील की कर बसूली प्रधिकारी के रूप में जो नियुक्तियां क्रमशः 19 मगस्त, 1977 की प्रधि-सूचना सं० 1937 (फा० सं० 404/151/77-प्रा०क०स०क०) तथा 26 जून, 1978 की श्राधसूचना सं० [2365 (फा० सं० 404/101/78 श्रा०क० स०क०) द्वारा संगोधित 3 मार्च, 1975 की प्रधिसूचना सं० 849 (फा०सं० 404/35/75-प्रा०क०स०क०) तथा 25 जून, 1976 की प्रधिसूचना सं० 1367 (फा० सं० 404/154/76-प्रा०क०स०क०) के श्रन्तगैंस की गई थीं वे एसद्वारा रह की जाती है।

3. यह माधिसूचना श्री पी० पी० भटनागर-II, श्री एस० एल० कुबा द्वारा कर बसूली माधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2969 (फा॰ सं॰ 404/3(क॰ व॰ घ॰-दिस्ली)/79-घा॰क॰स॰क॰] एच॰ वेंकटरामन, उपन्सचिव

New Delhi, the 13th August, 1979

INCOME TAX

S.O. 3238.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri P. P. Bhatnagar-II and S. L. Kuba being gazetted officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

- 2. The appointment of S/Shri J. R. Jain and P. C. Abrol as Tax Recovery Officeers made under Notification No. 849 (F. No. 404/55/75-ITCC) dated 3-3-1975 and No. 1367 (I'. No. 404/154/76-ITCC) dated 25-6 76 modified vide Notification No. 1937 (F. No. 404/151/77-ITCC) dated 19-8-77 and No. 2365 (F. No. 404/101/78-ITCC) dated 26-6-78 respectively are hereby cancelled.
- 3. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri P. P. Bhatnagar-II and S. L. Kuba take over charge as Tax Recovery Officers.

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy. [No. 2969/F. No. 404/3(TRO-DLI)/79-ITC]

द्यावेश

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1979

स्टा#प

का॰ मा॰ 3239.—भारतीय स्टाम्प प्रधिनियम, 1899 (1899 का 2) भी धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) धारा प्रदत्त मिनत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, गुजरात भौधोगिक विकास निगम को, ऋण-पन्नों के रूप में, उक्त निगम हारा जारी किये जाने वाले एक करोड़ पैसठ लाख रुपये के अक्तित सूख्य के बन्ध पत्नों पर स्टाम्प सुक्क के क्रप में प्रभाय सोकित स्टाम्प सुक्क के क्रप में प्रभाय सोकित स्टाम्प सुक्क क्रया करने की अनुसा देती हैं।

[सं० 28/79-स्टाम्प--फा० सं० 33/42/79-वि०कर०]

ORDER

New Delhi, the 10th September, 1979.

STAMPS

S.O. 3239.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Gujarat Industrial Development Corporation to pay consolidated stamp duty chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of rupees one crore and sixty five lakes to be issued by the said Corporation.

[No. 28/79-Stamps-F.No.33/42/79-ST]

का॰ आर॰ 3240 — भारतीय स्टास्प मधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवस्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस शुरूक को माफ करती है, जो करिक राज्य वित्तीय निगम द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किए जाने वाले एक करोड़ दस लाख रुपये भूल्य के बन्धपन्नों पर उक्त प्रधिनियम के धन्तर्गत प्रभार्य है।

[मं॰ 29/70 स्टाम्प—फा॰ मं॰ 33/43/79-वि॰ क॰] एस॰ क्षी॰ रामस्वामी, प्रवर सचित्र

S.O. 3240.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of one crore and ten lakhs of rupees to be issuer by the Karnataka State Financial Corporation, are Chargeable under the said Act.

[No.29/79-Stamps-F.No 33/43/79-ST]

S. D. RAMASWAMY, Under Secy

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय (वाण्डिय विभाग)

नई दिल्ली. 22 सितम्बर, 1979

का. आ. 3241 — केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए,

पटरन उत्पाद निर्यात (क्यालिटी निर्मेश्रण और निरीक्षण) नियम, 1970 में और संशोधन करने के जिए निम्निलिस्ति निरम बनाती है, अर्थात —

- (1) इन ियमों का नाम पटमन उत्पाद निर्यात (नवालिटी नियंश्रण और निरीक्षण) द्वितीय मंशोधन नियम, 1979 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पटमन उत्पाद निर्यात (क्वानिटी नियंत्रण और निरी-क्षण) नियम, 1970 में नियम 9 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :---
 - ''9. निरीक्षण फीस :—पटमन उत्पादो के निरीक्षण के लिए, निरीक्षण फीस निम्नलियित दरो पर दी जाएगी :—
 - (1) कालीन अस्तर-9.55 म्पयं प्रति मीटरी टन ।
 - (2) हैिसयन कपड़ा—12.75 रुपये प्रति मीटरी टन ।
 - (3) बोरे का कपड़ा/थेले, अन्य-8.45 रुपये प्रति मीटरी टन ।''

[सं. 6(6)/79-नि. नि. तथा नि. उ.]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

(Department of Commerce)

New Delhi, the 22nd September, 1979

- S.O. 3241.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1970 namely:—
 - (1) These rules may be called the Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) second Amendment Rules, 1979.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Export of Jute Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1970, for rule 9 the following rule shall be substituted, namely:—
 - "9. Inspection fee:—Fees at the following rates shall be paid as inspection fees for inspection of jute products:—
 - (i) Carpet Backing-Rs. 9.55 per metric ton.
 - (ii) Hessian Cloth-Rs. 12.75 per metric ton.
 - (iii) Sacking Cloth/Bag, Others-Rs. 8.45 per metric ton.

[No. 6(6) /79-EI&EP]

ग्रादेश

कारुबार 3242---भारत के निर्धात व्यापार विकास के लिए भारत सरकार के वाणिज्य संवालय की पटता के परत्वका उत्पादी में संबंधित अधिसूचन। संर कार्जार 4067, तारीख 20-9-75 में सक्ताधन करने के लिए किनिप्य प्रस्ताक, निर्धात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) तिरम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मत्रालय की अधिसूचना सरकार 2313, तारीख 12-9-79 के अधीन भारत के राजपल भाग-2, खड 3, उपखड़ (i) तारीख 12-8-78 में अकाणित किए गए थे ,

भीर उन सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, 9-11-78 तक श्रापनि या मुझान मागे गए थे,

ग्रीर उक्त राजपन्न की प्रतियां जनता को 16-8-78 तक उपलब्ध करा दी गई थीं:

श्रीर उक्त प्रस्तायो पर जनता से प्राप्त भापतियों तथा सुझाबो पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है ;

भ्रत भ्रम्भ, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयाग करने हुए, सथा निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्ग करने के पण्चात् उसकी यह राय होने पर कि भारत के निर्यात ज्यापार के लिए ऐसा करनी भाव-श्यक तथा सभीचीन है, भारत सरकार के वाणिज्य मंख्रालय के आदेश संब्काब्याब 4067, 20-9-75 में निम्नलिखित संगोधन करती है, श्रयात्:--

इस भ्रादेश में, उक्त मादेश के उपाबन्ध के स्तम्भ (2) में, खड़ (3) के स्थान पर निम्निलिखिन प्रतिस्थापित किया जाएगा, म्रथित् 🛶

"आधारी तान्तव मे प्रति डैसीमीटर, "सिरे और छिद्र" निर्भात सिद्धा मे यथा अनुध्यात होगे । प्रति डैसीमीटर किनारों मे संबंधित सांविदिक विनिर्देश के आधार पर 7 प्रतिशत की सह्यता अनुकास की जाएगी ।" ·

(8) स्तम्भ (4) के स्थान पर निम्तलिखित प्रतिस्थाति तिया जाएगा, प्रथीर् ----

कागज या पानिएथीलीन जिल्ली की मोटाई तथा शहुपता निस्तलिखित होगी:---

किस श्रेणी को लाग् होगा	मोटाई	पानिएवीलीन झिल्सी या विलेपित पालि- एबीलीन की मोटाई, पर सह्यता
भासंजक की सहायता से पालिएथीलीन परन चढ़ा पटसन का कपड़ा या थैले पालिएथीलीन से विलेपिन पटसन कपड़ा या बैग ।		
ढीले ग्रस्तर के रूप में पालिएथीलीन का प्रयोग करते हुए पटसन के थैंग।	200 गेष या 47 ग्रा०/मी० ³ तथा घधिक	 (i) 200 गेज मे या 47 ग्रा० से 300 गेज था 705 ग्रा०/मी०² ±20% मे कम (ii) 300 गेज से या 705 ग्रा०/मी०² से 400 गेज से कम या 94.0 ग्रा०/2±15% (iii) 400 गेज से भिक्षक या 94.0 ग्रा०/मी०² ±10 प्रतिकात
		[सं० 6(18)/73-मि०नि० सथा नि०उ०] सी०वी० कुकरेती, संयुक्त निर्वेशक

ORDER

S.O. 3242.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals to amend the notification of the Government of India in the Ministry of Commrce, No. S.O. 4067 dated the 20-9-1975 relating to the laminated Jute Products were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2313, dated the 12-8-78, published in the Gazette of India part II Section 3 sub-section (ii) dated 12-8-78;

And whereas objections and suggestions were invited till the 9-11-78 from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 16-8-78;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection), Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of opinion that it is necessary and expedient so to do for the export trade of India hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India, in the Ministry of Commerce, No. S.O. 4067 dated the 20-9-75;

In this order in clause 2 of the Annexure to the said order; (i) for sub clauses (3), the following shall be substituted namely: "Ends and picks per decimeter in the basis fabric shall be as stipulated in the export contract. A tolerance upto $\pm 7.0\%$ shall be permitted on the contractual specification in respect of ends and picks per decimeter";

(ii) for sub clause (4) the following shall be substituted namely:-

The thickness of Polythelene film or paper and the tolerance shall be as below:-

Category of application	Thickness	Tolerance on thickness of polythelene film or coated polythelene
Jute cloth or bag laminated with polythelene using adhesive.	100 gauge or 23.5 gms./m ⁹ and above.	±25%
Jute cloth or bag coated with polythelene	300 gauge or 70.5 gms./m ^a and above.	±25%
Jute bags using polythelene as loose liner	200 gauge or 47 gms./m³ and above.	 (i) From 200 gauge or 47 gms. to below 300 gauge or 70.5./m² ±20% (ii) From 300 gauge or 70.5 gms./m² to below 400 gauge or 94.0 gms./m²—±15% (iii) Above 400 gauge or 94.0 gms./m²±15%

[No. 6(18)/73-EI&EP] C.B. KUKRETI, Joint Director

गई दिल्ली, 24 प्रगस्त, 1979 (समुग्री उत्पाद उद्योग विकास निर्मेतण)

का० आ० 3243.— का० आ० सं० 387, दिनांक 25 जनवरी, 1979 के अधीन जारी की गई अधिसूचना में , ममुदी उत्पाद नियंति विकास प्राधि-परण नियम, 1972 के नियम 3 तथा 4 के साथ पठित समुद्री उत्पाद नियंति विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1972 (1972 का 13) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्नांनिक्षत और संशोधन किया जाता है । के स्थान पर

त्रमांक 26 रिक्स (26) श्री वयालार रवि,
केरल प्रवेश कांग्रेस हाउस,
एम० जी० रोड,
एर्णाकुलम, कोजीन-682016
[फा० मं० 1/एम-16/78-ई० पी० (एग्री०-I)]
टी० ग्रार० नागराजन, ग्रवर मजिव

New Delhi, the 24th August, 1979 (Marine Products Industry Development Control)

S.O. 3243.—In the Notification issued under S.O. No. 387, dated 25th January, 1979, the following further amendment is made by the Central Government in exercise of the powers conferred by Sub-Section (3) of Section 4 of the Marine Products Export Development Authority Act, 1972 (13 of 1972), read with rules 3 and 4 of the Marine Products Export Development Authority Rules, 1972.

For

Read

S. No. 26

Vacant

(26) Shri Vayalar Ravi, Kerala Pradesh Congress House, M. G. Road, Ernakulam, Cochin-682016.

[F. No. 1/M-16/78-EP(Agri-1)] T. R. NAGARAJAN, Dy. Director

(नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विकाग)

भारतीय भानक संस्था

नई दिल्ली, 1979-09-04

कारकार 3244.—समय समय पर संगोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाण चिन्ह) के विनिधक 1955 के विनिधक 14 के उपविनिधम (4) के धनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा घिष्ट्राचीच किया जाता है कि लाइमेंस संख्या मी एम/एल-4190 जिसके ब्यौरे नीचे घनुसूची में दिए गए हैं, कमें के धनुरोध पर 1976-12-31 से रद्व कर दिया गया है।

	•सर	नुसूची	
कम लाइसेंस संख्या ग्रीर संख्या दिनौक	लाइसेंसधारी का नाम भीर पता	रद्द किए गए लाइसेंस के प्रधान वस्तु/प्रकिया	नत्मस्यन्धी भारतीय मानक
1. सी एम/एल4190 1975-06-30	मैससं कोसान मेटल प्राडक्टस प्रा०िष ऐससो रिफाइनरी के पीछ बी०पी०टी० रोड माहुल चैस्बूर, बस्बई। (कार्यालय 53/57 लक्ष्मी इंग्योरेंस बिल्डिंग सर पी एम रोड, फोर्ट, बस्बई-400001।	और परिवहन के लिए वेल्डकल ग्रस्प कार्बन इस्पान के गैस	IS: 3224-1971 संपीड़िस गैस सिलिंडर के वाल्य फिटिगों की विश्विष्टि (पहला पुनरीक्षण)

(Department of Civil Supplies and Co-operation)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi the 1979-09-04

S.O. 3244.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Mails), Regulations 1955, as a moded from time to time, the Indian Standards Institution herdby notifies that Licence No. CM/L-4190 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1976-12-31 at the request of the firm.

SCHEDULE

Sl. Licence N No. and dat		Article/Process Covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Stardards
(1) (2)	(3)	(4)	(5)
CM/L-41 1975-06-3		 cylinders for the storage and ir transportation of low pressure g, liquefiable gases. 	
			

[No. CMD/55: 4190]

का०आ० 3245— समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय सामक संस्था द्वारा धर्धिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-2882 जिसके स्थौरे नीचे अनुसूची मैं दिए गए है, फर्म के अनुरोध पर 1979-04-01 से रह कर दिया गया है।

भनुसूची

म लाइस् इया	ॉस की सं≆्या और ति वि _	लाइमेंसधारी का नाम और पता	र४ किए गए लाइसेंस के स्रधीन अस्तु/ प्रक्रिया	नत्संबंधी भाग्तीय मानक
1	2	3	4	5
 1 मी प	एम/एल-2882	वि इंडियन ट्ल मैनुफैन्चरसं लि॰, 101, सायन	<u> </u>	IS 5444-1969,
19	72-01-20	रोड, भायन बम्बई-400022 ही डी		IS . 5445-1969
				IS: 5446-1969
				IS: 5447-1969
				IS: 5881-1970
				IS: 5882-1970
				IS: 5907-1970
				IS: 5918-1970
				IS: 5919-1976
				IS: 5926-1970
				JS : 6091-1971

[संख्या सी एम शी/55: 2882] ए० पी० बनर्जी, उप-महानिदेशक

S.O. 3245. —In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution—hereby notifies that Licence No. CM/L-2882 particulars of which are given bleow has been cancelled with effect from 1979-04-01 at the request of the firm.

SCHEDULE

Sl. Licence No. No.	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
(1) (2)	(3)	(4)	(5)
CM/L-2882 1972-01-20	The Indian Tool Manufacturers Ltd, 101 Sion Road, Sion, Bombay-400022 DD.	Reamers	IS: 5444-1969, IS: 5445-1969, IS: 5446-1969, IS: 5447-1969, IS: 5881-1970, IS: 5882-1970 IS: 5907-1970, IS: 5918-1970, IS: 5919-1970, IS: 5926-1970 and IS: 6091-1971

[No. CMD/55: 2882] A.P. BANERJI, Dy Dir. General

विदेश मंत्रालय

नई विल्ली, 20 मप्रैल, 1979

कार्ब्याः 3.246—- उत्प्रवासन ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 7) की क्षारा 3. द्वारा प्रदत्त प्राक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा उत्प्रवास संरक्षक कार्यालय, महपस कैम्प के श्री जीव केम्म जेबकानी को विनांक 2-4-1979 से उत्प्रवासी संरक्षक, संडपस कैम्प के रूप से नियुक्त करती है।

[स॰ भी॰पी॰ई॰म्रो॰/6/79/फा॰स॰ग्फ॰3(105) V·IV/७0]

एस० एस० सूरी, द्ववर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 20th April, 1979

S.O. 3246.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Emigration Act, 1922 (VII of 1922), the Central Government hereby appoints Shri G. James Jebakani, of the Office of the Protector of Emigrants, Mandapam Camp, as Protector of Emigrants, Mandapam Camp, with effect from 2-4-1979.

[No. CPEO/6/79-No. F3(105)V. IV/60]

M. L. SURI, Under Secy.

(हज कक्ष)

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1979

का॰ ग्रा॰ 3247—हज समिति नियमावली, 1963 के नियम 6 (1क) द्वारा प्रयत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, लोक सभा भंग हो जाने के कारण इसके द्वारा हज समिति, बस्बई के उन पदों को रिक्त घोषित करती है जिन पर संभव सदस्य (लोक सभा) सर्वश्री इज्ञाहीम मुलेमान सेट और कुँवर महमूद ग्रली सदस्य के रूप में नामित ये जिसका प्रकाशन भारत सरकार ने कमणः ग्रपनी ग्राधिसुवना स० एस (हज) 118-1/2/77 दिनौक 17-11-77 ग्रीर 1-8-78 द्वारा किया था।

[सं० ए.म (हज) 1 1 8-1/2/77] वी० के० ग्रोवर, संयुक्त समिव

(बाना तथा ह्ज)

(Haj Cell)

New Delhi, the 5th September, 1979.

S.O. 3247.—In exercise of the powers conferred by rule 6(1A) of the Haj Committee Rules 1963, the Government of India hereby declare vacant the seats held by S/Shri Ibrahim Sulaiman Sait and Kunwar Mahmud Ali, Members of Parliament (Lok Sabha) as members of the Haj Committee, Bombay as published by the Govt. of India under their notification No. M(Haj) 113-1/2/77 dated 17-11-77 and 1-8-79 respectively due to the dissolution of the Lok Sabha.

[No. M(Haj)118-1/2/77]

V. K. GROVER Joint Secy.

(Wana and Haj)

(कोंसस मनुभाग)

नर्ष दिस्ली, 5 सितम्बर, 1979

का॰ घरा॰ 3248---राजनियक एवं कोंसली प्रधिकारी (शपथ एवं शुल्क) प्रधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के खण्ड (क) के धनुमरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत का राजवृतावास टोकियों में सह। यक श्री बी॰ सी॰ सनिक को तत्काल से कोंसली एजेन्ट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाम्ल संख्या टी॰ 4330/1/79] जे॰ हजारी, भवर सचिव

(Consular Section)

New Delhi, the 5th September, 1979

S.O. 3248.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri B. C. Banik, Assistant in the Embassy of India, Tokyo, to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330/1/79] J. HAZARI, Under Secy.

पेड़ोलियन, रसायन और उर्वरक मंत्राजय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 21 भ्रगस्त, 1979

का० ग्रा० 3249—यत. पेट्रोलियम ग्रीर खिनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम ग्रीर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० ग्रा० मं० 3637 तारीख 6-12-78 द्वारा केखीय सरकार ने उस अधिसूचना से सजग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइना को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जिन करने का अपना भागय भोषन कर विया था ;

स्रीर यत सक्षम प्रधिकारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है;

श्रीर श्रागे, यन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्चात् इस श्रिक्ष्यचना से सलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियो में उपयोग का श्रीक्षकार ग्राजिन करने का निक्चय किया है ;

स्रब, अतः उद्दर्भ स्रिधित्यम की धारा 6 की उपधारा (I) द्वारा प्रदत्त मिलत्यों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस स्रिधिमूचना में संलग्न प्रतृमूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का स्रिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतद्दारा स्रिजन किया जाता है;

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयाग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में बिहित होने के बजाय तेल धौर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

धनुसूची एम० पी० भें० एन० से कें० -54

राज्य--गुजरात जिला--मेहमाणा, भ्रष्टमदाबाद नाल्का -कडी, विरमगाम

 गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	एमारई	सेंन्टीग्रर
चालासण	82	0	03	50
द्यालमासण	255	0	09	75
	254	0	01	80
	257	0	21	73
		[स∘	12016/1	4/78-प्रो०]

State: Gujarat

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 24th August, 1979

S.O. 3249.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 3637 dated 6-12-78 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subfection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from SPA to NK-54

Taluka: Kadi/Viramgam Survey ARE Cen-Villages Hec-No. tare tiare 82 0 03 30 Chalasan 275 09 0 75 Balsasan 254 0 01 80 257 0 73 21

[No. 12016/14/78-Prod.]

Dist.: Mehsana/Ahmedabad

का० मा० 3250.— पतः पेट्रोलियम ग्रीर खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का ग्रार्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रायोन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन ग्रीर उवंरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की ग्राधिसूचना का० ग्रा० सं० 3635 मारीख 23-12-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्राधिसूचना से संलग्न ग्रानुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्राधिकार का पाइगलाइमों को बिछाने के ग्रयोजन के लिए ग्राजित करने का ग्रापना ग्राणय गौषित कर दिया था ;

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भी नियम की घारा 6 की उप-बारा (1) के भ्रधीन सरकार को रिपोर्ड दे दो है ;

मौर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस भिक्ष्यना से सलग्न भ्रमुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का मुधिकार भ्राजित करने का विनिश्चय किया है;

मन, प्रसः उपत प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्सि का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वार श्रुजित किया जाता है; भीर, भ्रागे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्न भिक्तया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार मे निहित होने के बजाय इडियन भ्रायल कारपोरेशन लि॰ में सभी बाधामां मे मुक्त का में, इस बायणा के प्रकाशन की इस तारीख का निहित होगा।

	घनुस	् ची			
	 जिलाःपालीः	− - राज्यः राजस्थाः	न	. –	
 ग्राम	यासरान	0	- 1	 भेवफप	
		हेक्ट	`. <u>.</u>	<u> ऐयर</u>	वर्ग-
					मीटर
स ड़ीय	72/6		0	02	4.3
		[स [°]	120	20/6/7	9 সাঁ•]

S.O. 3250.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 3635 dated 23-12-1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil: Desuri	District : Pali	State: Rajasthan		
Village	Khasra No.	Area		
		Н.	Α.	Sq. M
Barod	72/6	0	02	43

[No. 12020/6/79-Prod.]

का॰ बां ॰ 3251 :— यतः पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाइम (भूमि के जपयोग के ग्राधिकार का ग्राजंन) ग्राधिनियम 1962 (1962 का 50) का घारा 3 की जपधारा (1) के ग्राधीन भारन सरकार के पेट्री-नियम ग्रीर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की ग्राधिसूचना का॰ ग्रा॰ भार करारीच 2-3-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्राधिसूचना से संलग्न ग्रानुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के जपयोग के ग्राधिकार को पाइप साइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्राजित करने का श्रपना ग्राणय योगित कर विया था;

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट देदी है; भीर श्रागे, यत. केन्द्रीय मरकार ते उकत रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस भ्रधिसूचना से संसरन धनुसूची मे जिनिर्विष्ट भूमियो मे उपयोग का भश्चिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रव. उक्त ग्रिधिनियम की धारा ६ की उपधारा (i) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधिसूचना में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयाग का श्रिधिकार पाइप-लाइन ब्रिष्ठाने के प्रयाजन के लिए एतद्वारा ग्रिजिस किया जाता है।

श्रीर धागे उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देली है कि उक्त भूमियों से उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में बिहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक रीस श्रायोग में, सभी बाधाशों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख की विदित होगा।

श्चनुसूचा कप स० एस० टी० बी० से मोटवान-1 हीडर

राज्य: गुजरान	जिलाभ : ष्टोज	नालुकाः	: हमिोट			
गांव	व्स(क न०	हेव डेयर	ए भ्रार ई से	 न्टीभर		
कलम	285	0	08	06		
	286	()	0.2	86		
	287	0	0.8	71		
	194	0	10	92		
	115	0	11	70		
	114	O	13	0.0		
	113	0	0.7	80		
	112	0	0.5	98		
	1 I I	0	0.7	0.2		
	110	0	0.7	80		
	100	0	29	2.5		
	67	0	59	15		
	69	O	13	0.0		
	28/P	. 0	0.3	90		

[म० 12016/13/79-प्रोर०]

S.O. 3251.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 973 dated 2-3-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Ro4 for well no MTB to Motwan-1 (Header)
State: Gujarat Distt.: Broach Taluka: Hansot

Village	Block No.	Hect,	Are	Cen- tiare
- Kalam	285	0	08	06
	286	0	02	86
	* 287	0	08	71
	194	0	10	92
	115	0	11	70
	114	0	13	00
	113	0	07	80
	112	0	05	98
	111	0	07	02
	110	0	07	80
	100	0	29	25
	67	0	59	15
	69	0	13	00
	28/P	0	03	90

[No. 12016/13/79-Prod.]

का० आ। 3252-71 केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० उत्तर कड़ी जी० जी० एम० I से उत्तर कड़ी सी० टी० एफ० तक पेट्रोलियम के पित्वहन के लिये पाईप लाईन नेल नया प्राकृतकि गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यन यह प्रतान होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एत्द्उपाबद भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ग्रधिकार ग्राजन करना भावण्यक है ।

श्रातः श्राव पेट्रोलियम श्रीर खिनज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रावितार का श्रात्र) श्रीवित्यम, 1962 (1962 का 50) की श्रारा 3 का उत्त्यारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्वीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रीविकार श्रीतित करने का श्रीपना श्राशय एनव्हारा घोषित किया है।

बशर्में की उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचें पाइप लाइन बिछानें के लिए श्राक्षेप सक्षम श्रधिकारी, तेल तथा श्राकृतिक गैम श्रायोग, निर्माण श्रीर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड बडोशरा-१ को इस श्रधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

धीर ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि भ्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधी व्यवसायी की मार्फत ।

श्रनसूची

उत्तर कड़ी जो० जी० एस० I से उत्तर कड़ी सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	ाजलाः मह्माना	तालुकाः स	त्यु र	
— - गोध				
1	2	_ 3	4	5
चलामन	95	0	04	50
	कार्टद्रेक	0	01	05
	110	0	16	0.5
	87	0	17	5.5
	86	0	07	3 5
	1 1 1/P	0	0.2	70
	111/ P	0	0.8	4 0
	112	0	10	3 5

	THE OXZETTE (JI INDIA		LEMBER	22, 19/9/BHADE		[PART	11—SEC.	3(11)] —
1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	- कार्टट्रेक	0	0.0	60		67/1	0	00	20
	118/2	0	04	95		कार्ट देक	()	01	35
	117/P	0	01	5.0		61/2	Ü	08	70
	1 1 7/ P	0	10	5 5		61/1	0	10	95
	1 2 1/ P	0	18	0.0		60	0	08	5.5
	1 2 1/P	Ø	0.1	6.5		5 श/पो	0	0.2	40
बाल सामन	तालुका - विज्ञाम	जिला. ग्राप्टम	erana.			5 8 /पी	0	07	0.5
પ્રાપ્ત વાવન	216/5	0	0.2	25		5 8/ ๆ ์เ	U	0.5	25
	216/4	0	0.5	85		5 8/ पी	0	10	80
	216/3	0	05	85		5 8/पी	0	0.1	0.5
	216/3 216/1/¶i	0	01	50		5 ९/ पी	0	0.5	70
	216/1/40	0	03	45		5 8/पीं	0	15	75
	2 1 6/ 1/पी	0	10	0.5		51	0	03	75
	210/1/1	u U	06	75		5 2/ र्ना	0	0.8	25
	217	Ü	04	5 O		5 2/ पी	0	15	0.0
	01.1/2					5 3/पी	0	02	0.0
	218/2 कार्टट्रेक	0	12	15		53/1	0	01	45
	काट्ड्रक 202/3	0	01	0.5		5 4	0	04	0.5
	202/3	0	09	60		49	U	03	30
			06	0.0	बाटारिया	तालुकाः विरगाम	সিলা	: प्रहमदाब	Τα
	201/2	0	03	60		4 1/पी	0	07	95
	201/1	0	03	60		4 1/पी	0	11	25
	199/3	0	0.6	75		40	0	06	45
	1 9 9/ 2/ए	0	04	50		42	()	16	35
	200	0	0.2	10		उ 8/पी	0	0.7	50
	198/पी	0	0.3	7 5		3 8/पी	0	15	15
	198/ 4 7	0	0.3	1 5		७ 7/पी	O	0.3	45
	1 9 ४/पीर	0	02	40		48	0	25	20
	ा न ध/दी,	0	02	40		143	0	01	35
	198/पी	0	02	5 5		रेलये	0	02	25
	1 9 7 पी	0	0.0	20	टलावी	तालुका . विरगाम	जि ल्	. ग्रहमदावा	বি
	195	0	00	20		227	0	00	96
	196/6	0	07	80		266/43	0	18	60
	196/4	0	06	60		226/55	0	0.0	30
	196/3	0	03	90		2 2 6/ 2 7/पी	0	04	95
	196/2	0	03	75		2 2 6/ 2 7/पी	0	04	80
	196/1	0	01	95		266/27 / र्वे।	0	0.2	85
	195/2 191/ Ý í	0	01	65 70		226/28	U	09	15
	191/पी 191/पी	0	80			कार्ट ट्रेक	U	00	75
	191/पी	0	06 01	30 35		209/59	U	17	55
	192/3	0	05			209/57	0	04	6.5
	1 <i>52 उ</i> कार्ट ट्रेक	0	01	85		209/55	0	04	0.5
	138/3	0	07	35 35		209/49	0	05	00
	138/3	0	08	25		209/55	U	0.0	85
	138/1	0	01	35		209/50	0	06	30
	137/4	0	02	2 5		209/47	0	08	40
	137/4	0	62	2 5 5 5		209/26	0	22	35
	9 1 2 7/पी	0	22	35		209/23	0	03	00
	126/2	0	01	65				016/35/7	'9-प्रो॰]
	1 2 6/ 1/पी	0	03	15			_		•
	1 2 8/ 1/पी		07	80	S.O. 3252V	Whereas it appears to the ary in the public interes	t that i	ral Gove	Enmen
	1 2 6/ 1/पी 1 2 6/ 1/पी		01	20	of petroleum fr	om N. Kadi GGS I to N	f, Kadi	CTF in	Gujara
	125/2+		09	00	State pipelines Commission;	should be laid by the	e Oil	& Natur	at Ga

67/2

66

0

12

00

35

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

0.

()

Ü

191/P

191/P

19, P

192/3

138/3

138/2

138/1

Cat track

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Cas Commission, Construction & Maintenance D. Ision, Makarpura Road, Vadodata-390009.

	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,					138/1	U	OI	.13
And every neison	making such an object	tion ch	all ale	o stote		137/4	0	02	25
specifically whether	he wishes to be hear	d in m	eraon	or by		9	0	62	55
a legal practitioner.	ite want to be item.	p	ш	V. U)		127/P	0	22	35
						126/2	0	01	65
	SCHEDULE					126/1/P	0	03	15
	SCHEDOLE					126/1/P	ō	07	80
Pipeline from N.	Kadi Cos I to N. Ka	di CTF				127/1/P	0	01	20
State : Gujarat	District : Mehsana			Kadi					
_ — —					••	125/2+3-1		09	00
Village	Survey No.	Hec-	Arc	Cen-		67/2	0	12	00
		tare		tiare		66	0	16	35
	— - 			——		67/1	0	00	20
1	2	3	4	5		Cart track	0	01	35
Chalasan	95	0	04	50		61/2	0	08	70
Charaphi	Cart track	v	01	-		61/1	0	10	95
	Carringer	0	01	05		60	0	08	55
	110	0	16	05		58/P	0	02	40
						58/P	ő	07	05
	87	0	17	55		58/P	0	05	
	86	0	07	35		58/P			25
	111/P	0	02	70			0	10	80
	111/P	0.	08	40		58/P	0	10	05
	112	0	10	35		58/P	0	05	70
	Cart track	0	00	60		58/P	0	15	75
	118/2	0	04	95		51	0	03	75
	117/P	0	10	50		52/P	0	08	25
	117/P	0	10	55		52/P	0	15	00
	121/P	ő	18	00		53/P	0	02	00
	121/P	0	01	65		53/1	0	01	45
						54	o	04	05
Balassan Talu	ka : Viramgam — Dist	trict ; A	hmed	abad		49	ő	03	30
	216/5	0	02	25	Bhataria				
	216/4	0	05	85	Dilataria	Taluka ; Viramgam	Distt.;		
	216/3	0	05	85		41/P	0	07	95
	216/1/P	Ö	01	50		41/P	0	11	25
	216/1/P	ō	03	45		40	0	06	45
	216/1/P	0	10	05		42	0	16	35
	210,1/1	0	06	75		38/P	0	07	50
	217					38/P	0	15	15
	210/2	0	04	50		37/P	0	03	45
	218/2	0	12	15		48 143	0	25	20
	Cart track	0	01	05	Tolavi		0	01	35
	202/3	0	09	60	Jelavi	Taluka : Viramgam	Distt.;		
	201/3	0	06	00		Railway	0	02	25
	201/2	0	03	60		227	0	00	96
	201/1	0	03	60		266/43	0	18	60
	199/3	0	06	75		226/55	0	00	30
	199/2/A	0	04	50		226/27/P	0	04	95
	200	ō	02	10		266/27/P	0	04	80
	198/P	0	03	75		266/27/P	0	02	85
	198/P	o	03	15		226/28	ŏ	09	15
	198/P					Cart Track		00	75
		0	02	40		209/59			
	198/P	0	02	40			0	17	55
	198/P	0	02	55		209/57	0	04	65
	197/P	0	00	20		209/55	0	04	05
	195	0	00	20		209/49	0	05	00
	196/6	0	07	80		209/55	0	00	85
	196/4	0	06	60		209/50	06	06	30
	196/3	0	03	90		209/47	0	08	40
	196/2	0	03	75		209/26	0	22	35
		ō	01	95		209/23	0	03	00
	190/1	U				207,23			
	196/1 1 95 /2	0	01	63		—- —— —	12016/3		

नई दिस्की, 27 प्रगम्भ, 1979

कांग्यार 3253.—यतः पैट्रोलियम श्रीर कानिज पाइपलाइन (भूभि में उपयोग के अधिकार का श्रानंत) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपयोग (1) के श्राचीन भारत शरकार के दिल्लियम, राजन श्रीर उन्नेरक मन्नालय (पैट्रोलियम विभाग) की श्राधिमृचना बाल्याल गाल 3634 नारीज 23-12-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उर अधिमृचना से मारत श्रामृची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रीधकार को पाइपलाईनों को विर्ो है प्रयोजन के लिये श्रीजन करने का श्राना श्रीलय बोधिन कर दिया। ।।

भीर या सक्षत प्राविकारी ने उक्त श्रिधिताम की वारा 6 की उनवारा (1) के श्रिशीन गरका को रिपोर्ट दें की है।

श्रीर श्रामे याः, केर्न्द्राय १९२० ने उपन रिपोर्ट पर विवास करने के पश्चात् इस श्रीधमूचना से संभन्न श्रानुसूरि से विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीवकार श्रीजन करने का विनिध्या किया है ।

मन, मत: उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उनधारा (1) द्वारा प्रदेस मिक्त्यों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सर्वद्धारा घोषि। करती है कि इस प्रधिसूचना से संवयन अपुन्ती में विनिद्धिट उक्त भूभियां में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एनद्-द्वारा ग्रजित किया जाना है।

श्रीर, श्रामे उस धारा की उपबारा (4) द्वारा प्रवस समितमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उसत भूमियों में उपयोग का श्रीक्षकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाव इडियन श्रायन पारवंदियन लिए में समी बाधीओं ने मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकागन की दा तारीख को निहित होता ।

[मं॰ 12020/5/78-प्रो॰]

प्र नुसुष ।

तहनील : बारकी	जिला: पाली	ज्यः राज	जस्थान		
ग्राम	खसरा में०		 ১ লগদ		
		है ग टेयर	ऐयर	वर्ग मीटर	
—————————— देवर्लाः (ग्राज्या)	1591		10	8 4	
गुडाकेगरसिंह	175	0	15	18	
•	5 1	0	01	84	
गयाना	233	0	0.0	31	
	284	0	0.0	3 1	
	189	0	0.0	69	
 सोरगरी	145	0		13	

[स॰ 12020/5/78-शो०]

New Delhi, the 27th August, 1979

S.O. 3253.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 3634 dated 23-12-78 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the raid lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Kharchi	District : Pali	State	: Raj	asthan	
Village	Khasra No.	Area			
v mage	Knasta No,		A.	Sq.M.	
Der (Niwa)	1591	0	01		
Gurhall rsingh	175	0	15	18	
	51	0	01	84	
Cad ana	233	0	00	31	
	- 34	0	00	31	
	189	0	00	69	
Bornari	145	0	. 00	13	

[No. 12020/5/78-Prod.]

इताल्झां 3.254.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीय होता है कि लोकहित से यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृत तं एत्वके खंक्यूव से एत्वके कि बाव से जीव्यक्तिक से एत्वके कि बाव से जीव्यक्तिक से सामा के परिवहत के लिये पाइप लाईन नेल सथा प्राकृतिक गोग आयोग द्वारा विद्यादि जानी चाहिये ।

भीर यनः यह, प्रतीत होता है कि ऐसी लाहतीं की विकाने के प्रयोजन के लिये एत्र्यारा प्रापुत्ती में विभिन्न भूमि में उत्थोग का प्रधिकार प्राणित करना भाषस्यक है।

भनः भवः पैद्रोलियम भीर खानेज पादर लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष मक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने जामें जायोग का अधिकार प्रजित करने का प्राप्ता धामय एनद्वारा पोलित किया है ।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई घ्यक्ति, उन भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये श्राधेप गक्षम श्रीयकारी, नेल तथा श्राकृतिक गैन श्रायोग, निर्भाण श्रीर देखमाल प्रमान, मकरपुरा राड, वडोदरा-9 को इस श्रीधसूचना की तारीख से 21 थिनों के भीतर कर सकेना।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिश्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या जिसी विधि व्यवसार्यः की मार्फर।

भनु मूर्चा

ग्रव	स्वेक्षिय न०	हैक्टेयर	गंत्राक्ष्	मेर्ट।यर
 नेलाबी	236/17	0	(10	 84
	236/18	0	06	36
	236/19	0	0.9	60
	236/24	0	10	04

• 1	2	3	4	5
— • —	2 3 6/3 3	0	0.9	36
	2 (6/32	Ō	0.8	0.4
	2 = 5/2	0	1 1	40
	22 1	0	0.2	6.4
	225/6	0	18	84
	22015	0	0.4	9.2
	226/67	0	0.8	28
	$2 \pm 6^{1}7$	0	0.6	72
	26/66	0	0.4	0.9
	09/31	0	0.3	96
	209/15	0	0.4	34
	209/36	0	13	80
	210/1	0	13	32
	209/16	0	0.4	80
	209/11	0	1 1	40

[म० 12016/41/79-प्रो-**II**]

S.O. 3254—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKBR to NKBY to GGS-101 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

NKBQ to NKBY to GGS 101

State: Gujarat	Distt, Ahmedabad	Taluka Vii		ramgam	
Village	Survey No.	Hect.	Are	Cen- tiare	
Telavi	236/17	0	00	.— 84	
	236/18	0	06	36	
	236/19	0	09	60	
	236/24	0	10	04	
	236/33	0	09	36	
	236/32	0	08	04	
	225/2	0	14	40	
	225/4	0	02	64	
	225/6	0	18	84	
	226/5	0	04	92	
	226/67	0	08	28	
	226/7	0	06	72	
	226/66	0	04	08	
	209/34	0	03	96	
	209/35	0	04	34	
	209/36	0	13	80	
	210/1	0	13	32	
	209/16	0	04	80	
		0	14	40	

[No. 12016/41/79-Prod. 11]

कारकार 3255.— का केन्द्र गरकार का यह ता वहोता है कि लोकहेत में यह कावक्यक है कि गुजरात राज्य में का तर एतरकर र एलरु से जीर्जिल्यार-101 तह दिहोलियन के परिवर्त के विदे तरी लाइन तेल तथा प्रामुन्ति गैर काथाग द्वार बिछाई जारी करी है।

आरोर पत यह प्रतीत होता है कि ऐकी लाईना को विष्य र प्रोजन के लिख एप्र्यालक अनुपूर्व में कीपार का में उपकार प्रवित करना अविष्यक है।

अन अब पैट्रोलियम और खन्जि पाइप नाइम (भूमे में उपयान ने अधिनार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के ान 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त कक्तिया का प्रयोग कभी तुए नेयन थ प्रकार ने उनमे उनयोग का अधिनार अजित करन का स्वत्त ए गप एनद्दारा सौषित किया है।

यणतें कि उक्त भूमि में क्षितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के न वे पाईप लाइन बिछ ने के लिये अक्षीर सक्षम व्यक्ति र तर र (प र र र गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुर, रोड, कडोदरा-।) को इस प्रधिमुखना की सारित्व से 21 दिनों के भीतर कर संकेशा ।

भीर ऐ.भा आक्षेप करने बाना हर व्यक्ति विनिदेष्टत यह भी तमन करेगा कि क्या वह यह चाहरा, है कि उनकी सुननाई व्यक्तिगत सा कि किसी विधि व्यवसायी की मार्फा ।

श्रापुतं कृप न० एन०थे०वि० १९० में जी०श्री० ए९०-101

गज्य—-गु जरा त	जिलाशमदाबाद	ता गु का—विरमगाम				
गांव	सर्वेक्षय न०	है _न देपर	एटी प्राई	नेट गर		
नेलाबी	209/11	0	03	b ()		
	209/26	0	0 7	c) r		
	209/20	0	06	21		
	209/47	0	0 6	$^{2}4$		
	209/51	0	04	20		

[म॰ 12016/11/79-मो॰ **I**]

S.O. 3255.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKBL to GGS-101 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laving such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section (3) of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right, of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

ROU from Well No. NKBL to GGS 101

State : Gujarat	District : Ahmedabad	Taluka ; Viramgai		
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Telavi	209/11	0	03	60
	209/26 209/20	0	07 06	92 24
	209/47	ŏ	06	24
	209/51	0	04	20

[No: 12016/41/97 Prod. I]

नई दिल्ली, 28 ग्रगस्त, 1979

का॰ आ१० 3256.—यनः पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयाग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रमायन मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिस्जना का॰ आ॰ 971 तारीख 2-3-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्जना से मलग्न अनुमूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिखान के प्रयोजन के लिये अजित करने का अपना आश्रय योजन कर दिया था।

श्रीर यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोट दे दी है ।

श्रीर श्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात् इस श्रीधसूचना से संग्लत श्रनुसूची से विनिदिष्ट भूमियां में उपयोग का अजिकार श्रीजित करने का विनिश्चय किया है ।

श्रव, यतः उक्त श्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एक्द्द्वारा घोषिन करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न श्रनूसुची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन विकान के प्रयोजन के लिये एक्द्द्वारा श्रिजित किया जाता है ।

श्रीर श्रामे उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिलसर्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैम श्रायोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, बांबणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा ।

मनुमूची
नवागाम सी०टी०एफ० से कैलीको मिल तक गैस लाइन विछाने के लिगे
राज्य---गुत्ररात जिला---प्रहुमदाबाद तहसील----भनूर

गांव	सर्वे नं० हैंक	टेयर	एमार	मेटीयर
—————————————————————————————————————	पिराना रोड में			
	सर्वे सं ० 138	0	02	77.5
	पिराना रोड से कम			
	मं० 225 से 209	0	0.8	89.5
	पिराना रोड			
	फाइनल प्लाट	0	08	20.5
	मं० 100 से 125			
	रोंड 125 से			
	151 भी र 153	0	10	39.5
	153	0	0.0	24
	रोड के बीच 153			
	रो कैलीको मील	0	0.0	24

[सं० 12016/11/79-प्रो०]

New Delhi, the 28th August, 1979

S.O. 3256.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 971 dated 2-3-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Nawagam CTF to Calico Mills Gas line

State: Gujarat	District : Ahmedabac	l T	aluka	; City
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiaro
		3	4	5
Behrampura	Pirana road in survey No. 138 Pirana road	0	02	77.5
	from Sr. No. 225 to 209 Pirana road final Plot	0	08	.89 5
	No. 100 to 125 Road from 125 to 151	0	08	20.5
	& 153	0	10	39.5
	153 Road bet- ween 153 to	0	00	24
	Calico Mill	s 0	00	24

[No. 12016/11/79-Prod.]

काल्ब्रा॰ 3257.—यन: पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार (अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पैट्रोलियम यिभाग) की अधिमूचना काल्या॰ मं॰ 502 नारीख 19-1-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुमूची में विनिर्दिश्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर विद्या था।

भौर यतः सञ्चम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपघारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है ।

ग्रीर भागे, यनः केन्द्रीय गरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस ग्रिक्षसूचना से संलग्न अनुसूची में निनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रिक्षार ग्राजित करने का निनिश्वय किया है।

श्रव, यत: उकत अधिनियम की घारा 6 की उपघारा (1) हारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतक्ष्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधिमूबना में संभरत अनुसूची में विनिर्दिग्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिकार पाइनलाइन दिखाने के प्रयोगन के लिये एसट्द्रारा श्रुजित किया जाना है ।

त्रीर त्रागे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहिन होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बाधामों से मुक्त का में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को मिहित होगा ।

श्रनुम्ची

क्य ने । एन व्येवसी व्याव से हरू यूवए न व्याहित कडी-25

राज्य ⊶गुजरात गांव	जिला—⊸ग्रहमदाबाद सर्थिण नं.	तालुकाविरमगाम हैतडेपर एग्रार	ई सेटी — —	यर —-
तेलावी	226/65	0	15	00
				- T

[स॰ 12016/11/79-प्रो॰]

S.O. 3257.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 502 dated 19-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE ROU from D.S. NKCC to WHI KADI 25

State : Gujarat	District : Ahmedabad	Taluka	: Vira	mgam
Village	Survey No.	Hec- tare	Arc	Con- tlare
Telavi	226/65	0	15	00

[No. 12016/11/79-Prod.]

का अप्राः 3258 पतः पैट्रोलियम प्रौर खिनिज पाइत ताइत (मृमि के उपयोग के प्रधिकार (ग्रजैन) अधिविषम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपर्धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम ग्रीर रसायन मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिगुचना का आ • स• 601 सारीख 30-1-79 द्वारा केन्द्रीय गरकार ने उस अधिगुचना से सलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिग्रान प्रयोजन के लिये अर्जिन करने का अपना ग्राग्य घोषित कर विया था;

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है ।

भीर भ्रागे, यतः केन्द्रीय मरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्चान् इस श्रक्षिसूचना से संलग्त ध्रनुम्वी में विनिर्दिष्ट भूमियो में उपयोग का श्रविकार भ्राजित करने का विनिश्चय किया है ;

श्रव, यतः उत्रतं श्रधिनियम को अरा 6 को उपवारा (1) द्वारा।
प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषिन करती
है कि इस ग्रधिमूचना में संजग्न अनुसूर्वा में विनिद्धिट उन्त भूमियों मे
उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन विछान के प्रयोजन के निये एतद्द्वारा
प्रजित किया जाना ह

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गिवनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर उपयोग का प्राकृतिक गैंस श्रायोग में, सभी वाक्षात्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

धनुमृर्चा

कूप तं० यालनेर-1 से मोटवान-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये राज्य--गजरात तालका--श्रंकलेण्यर जिला---भरुच

राज्यगुजरात	तालुकाअकलक्षर	131,41	ਅਪ੍ਰ			
गोव	ब्लाक नं०	हैस्टेयर	एश्रारई	संंडीयर		
मोटवान	236	0	13	65		
	237	0	06	24		
	238	0	13	00		
	246	0	03	90		
	209	0	03	85		
	227	0	03	60		
	225	0	16	64		
	226	0	18	55		
	232	0	41	60		

[(सं॰ 12016/4/79-प्रो॰)]

S.O. 3258.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 604 dated 30-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Uver in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

RGU For Laying as pipeline from well No. Walner-1 to Motwan-1

Taluka :	Ankleshwar	District : Bro		
	Block No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
	2	3	4	5
	236	0	13	65
	237	0	06	24
	238	0	13	00
	246	0	03	90
	209	0	05	85
	227	0	02	60
	225	0	16	64
	226	0	18	5 5
	232	0	41	60
	18tuka :	236 237 238 246 209 227 225 226	Block No. Hectare 2 3 236 0 237 0 238 0 246 0 209 0 227 0 225 0 226 0	Block No. Hectare 2 3 4 236 0 13 237 0 06 238 0 13 246 0 03 209 0 05 227 0 02 225 0 16 226 0 18

[No. 12016/4/79-Prod.]

का - ग्रा॰ 3259.--यन पेट्रोलियम श्रीर खनिज पहालाइन (कुंग हे उनकोर के प्राधिकार प्राचीन) प्राधिनियम 1962 (1962 का 51) की धारा 3 की उनमारा (1) क अर्मन मास्त नरकार के पेट्टो-मार्व मार्थ अपन-११ क्रींस कर्त्व में स्थाप कर्ति में स्थाप में स्थाप मूरात प भारत प्रापुची में वितिष्टि मुनिया के उत्थान के प्रधिकार का पाइन गिर्दना का बिकार के प्रयोजन के लिए प्राजिन करने का प्राना थ्रायय मी पेत कर दिया था:

र्थार या पक्षम प्राधिकारी के उक्त प्रविभिन्नम की धारा 6 की उप-'रा'। (1) के अर्जान एकार की रिवोर्ट दे दी है:

रों आये, या केन्द्रीय परकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने थं परता इत अधिपुचना से सनग्न प्रने∏ची में तिनिविध्ट भमिया में उत्या । का अधिकार प्रजित्त करन का विनिश्वय है:

पव, प्रा. उक्त प्रविनियम की धारा 6 की उपवारा (i) द्वारा प्रदत्त मिक का प्रयाद करने हुए केन्द्रेय नरकार एकरुद्वारा घोषान करती है कि इत प्राधिपूषका में सकल प्रतुपूर्व में विकिदिब्द उक्त प्रसियों में उपगान का अधिकार पाइएलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतब्द्वारा भीजत किया जाता है।

र्यार अश्री उस धारा की उपत्रारा (4) द्वारा प्रदत्त गरिक्या का मनोग करते हुए केन्द्रीय सारकार निर्देग वेती है कि उक्त भूमिया में उत्थार का प्रतिकार कल्बीय गरकार में विहित होने के बजाय सन और पाक्षिक नैय कायोग मे, सभा बाजाओं से पुक्त रूप में, घोषण के प्रकाणन र्फ इन नारीख़ का निहेन होगा।

फ़ा न० 68 में के-34 तक पाइन लाइन बिछाने के लिए

राज्ये—~ाुजरात	जिला-मेहमाना नानुहा-कनीस					
गाव	ब्लाफ न०	हेक्देयर	एम्रारई	सेदीयर		
धम, 'ता	812	0	06	70		
	767	0	02	10		

[स॰ 12016/3/79-प्रो॰-II]

S.O. 3259.—Whereas by a notification of the Gevernment of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 602 dated 30-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the gold lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 68 to K-34

State : Gujarat	District	: Mehsana	Talui	ka ;	Kalot
Villago		Block No	Hect- tare	Are	Cen- tiare
Dhamsana	· •	812		- 06	70
	•	767	0	02	10

[No. 12016/3/79-Prod-II]

का॰ बा॰ 3260.--यम पेट्रीनियम श्रीर खानेन पाइनलाइन (भूमि के उपयोग के प्राधितार प्रजन) प्राधिनियम 1962 (1962 वा 50) का भारा 3 की जनवारा (1) के आर्रन भारा सरकार के पेट्री-लियम श्रीर रसायन पत्रालय (पेट्रालियम विभाग) की श्रधिसूचना कार आ॰ न॰ 603 सारीय 30-1-79 द्वारा केन्द्रीय गणार ने उन अधि-मूचना में मंज्ञम अनुसूची में थिनिदिव्ह भूनियों के उत्योग क अधिकार को पादा लाइनो को बिछाने के प्रयोजन । लिए प्रजित करन का प्रयान श्राणय घोषात कर विया था.

भीर यत सक्षम प्राधिकारी के उक्त भाविनितम के धारा 6 की उन-घारा (1) के मजीन सरकार की रिपोई दे दा है:

भीर भागे, यत केन्द्रिय सरकार ने उक्त ल्यिक्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूर्च। में यिनिदिष्ट मुसिया मे उपयोग का मधिकार भनित घरने का विनिध्चय किया है;

अब, यत. उक्त प्रधिनियम का धारा 6 की खपजारा (i) द्वारा दत्त मिक्त का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय संस्कार एनद्वारा घोषित। करनी है कि इस मधिसूचना में मलग्न धनुसूची में विकिथाट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एसदद्वारा भिजित किया जाता है ।

श्रीर माने उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित हाने के बजाय तन और प्राकृत्यिक गैस क्रायोग मे, सभी बाद्यक्रा गे मुक्त रू। मे, बोपणा के प्रका-गन की इस नारीख को निहित होगा।

अनस्ची

ने० ग्रो० श्री० 9 से जी० जी० एा-IV तर पाइप लाइन विकाने के तिए

रागः —पुजरा	जियामहमःना	वत्युरा—कः राज
गाव	8तीके ग्र	हेक्डेयर एप्रारई मर्न्डायन
घमासना	873	0 01 50
		[ব৹ 12016/3/79-মা০]

S.O. 3260.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 603 dated 30-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared in attention to acquire the right of user in the lands specular in intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from KOD-9 to GGS-JV

State : Gujarat	District: Mehsan	а Та	Taluka :Kalol		
Village	Block No	o. Hec-	Are	Cen- tiare	
Dhamasana	879	0	01	50	
		o. 12016	/3/79-Pr	rod.1	

का० भा० 3261 ---यन पेट्रोलियम श्रोप स्वनिज पाइवलाइन (भृमि के उपयोग के श्रधिकार प्रजंन) श्रधिनियम 1 162 (1963 का 50) का धारा 3 की उपयोग (1) ने श्रधीन मारक नरकार के पेट्रोलियम श्रीर रसायन गंत्रालय (पेट्रोलियम तिमाग) की श्रिअमुनना का० भा० मं० 252 पारीख 1-1-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन श्रिभुनना से संन्यन सनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के प्राणीग के श्रीक्रकार को पाइव लाईनों को विद्यान के प्रयोजन के लिए श्रीजन करने का अपना आण्य बोधिन कर दिनाथा:

और यतः सक्षम पाविकारो के उक्त प्रावितियम की शास ७ की स्पन्नारा (1) के प्रवीत सरकार की रिवार्ट दे दा है,

श्रीर श्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रियोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिपूचना ने संपन्न श्रनुसूची में विनिर्दिश्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार श्रीजन करने का विनिश्चय किया है;

श्रव, श्रम, उक्त श्रिवियम को गाम ६ की उनगाम (1) द्वाम प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केर्न्द्र भ मस्कार एनद्वाम घोषित करती है कि इस श्रीयसूचना में सलग्न श्रनुसूर्व में विनिद्धिय उक्त भूमियों में उनयोग का श्रीयकार पाइप नाइन विकान के प्रयोजन के लिए एनद्वाम श्रीजत किया जाता है:

श्रीर अभे उर धारत के उत्कार (4) अस्य प्रदेश शक्तिया का प्रयोग परते हुए केन्द्रीय नाकार निर्देश हो है कि उक्त भूमियों में उपनोग का श्रीविकार कवाय तरकार में किये होने के अवाय तेल और श्राहित के मियोग में, तम बन्धाया के पुरुष्ति है के धायांग में, तम बन्धाया के पुरुष्ति है सारीय का निहित होगा।

मनुन्षी

की० की० एए-I जा० की० एप०- VIतक पहासालहान बिळाने केलिए।

राज्य : गुजराह	जिलाः चातालु ः । गा धीनगर			
——— गाव	ग ाँ न ्		त्र — श्रापर्क	— सन्दीयर
1		.,\$	1	— ే
सेंग्या			1)]	6U
	ì	0	1.2	30
	4.2	0	0.1	25
	1765,1	1)	0.0	40
				

1	2	3	1	5
	1273/3	ı)	0.0	
मोयन राठोड	3 1 7	U	0.1	0.0
	जिता मेहातना	ন ়া চা	<i>ा</i> अल	
<u>क</u> कलोज	252/227	t1	0.0	25
	194/2	0	0.1	30
सईज	662/1	Ü	0.0	15
	659/3	()	0.3	50
	คร9/1/สัส	0	0.0	60
	634/1/ ए	()	0.0	15
	65 l/ l/đi	0	0.0	80
	6 5 4/ 1/ 호 ř	0	0.1	75
	689	Ü	ΟI	93
	683	(,	0.5	0.0
	687	O	0.0	64
	688/4	0	0.0	9.0
	690/1	0	0.0	15
	978/1	0	0.3	7.4
	978/2	0	03	06
	893	0	1.2	02
	980	0	15	0.0
	977	0	0.1	30
	976	0	21	ÜΟ
	ब्लाक न०			
ई। नड	787	0	0 1	0.0
	803	0	0.0	50
	जिलाः मेहनाना	नानु	नाः कड़ी	
ग्र म्बा पुरा	39/1	0	10	50
	17/1	0	22	0.0
	6 1/1	0	0.5	5.2
	64/1	0	00	75
	6 6/3	0	0.0	20
	66/3	0	0.2	25
	66/1	U	0.4	25

[मं० 12016/19/79-प्रो०]

S.O. 3261.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 252 dated 1-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE Pipeline from G.G.S. I to G.G.S. VI.

State: Gujarat

Village	Survey No.	Hee-	Are	Cen- tiare
				·····
	Faluka : Gandhina			
Sertha	339/1	0	01	60
	3	0	12	30
	42	0	01	25
	1268/1	0	00	40
	1273/3	0	00	5(
Bhoyan Rathod	347	0	01	00
District : Mehsana	Taluka : Ka	lol		
Kalol	252/227	0	00	25
******	194/2	0	01	30
Salj	662/1	0	00	1.5
	659/3	O	02	50
	659/1/ B	0	00	6
	654/1/A	0	00	1:
	654/1/B	0	00	86
	654/1/D	0	01	7:
	680	0	01	93
	683	0	05	00
	687	0	00	64
	688/4	0	00	90
	690/4	0	00	1.5
	978/1	0	03	74
	978/2	0	03	06
	993	0	12	02
	980	0	15	00
	977	ō	04	30
	976	0	18	00
	Block No.			
Isand	787	0	01	00
Titte	803	0	00	50
District: Mehsana	Taluka : K	adi		
Ambavpura	39/1	0	01	50
LFITTOMAPHTM	47/1	0	22	00
	64/4	0	05	52
	64/1	ŏ	00	75
	66/3	0	00	20
	66/2	0	02	25
	66/1	0	04	25

[No. 12016/19/79-Prod.]

का॰ मा॰ 3262.--- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का भर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन, भारत सरकार के पेट्रोलियम मीर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का ॰ मा॰ सं० 1175, तारीख 22-3-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्राधसूचना से संलग्न धनुसूचि में विनिर्दिष्ट मूमियों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना भागय भोषित कर वियाधाः;

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के ग्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है;

ग्रीर ग्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रश्चिमुचना से संलग्न प्रमुसूचि में विनिर्विष्ट भूमियो में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का विनिएचय किया है ;

भव, मत: उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुहारा घोषित करती है कि इम प्रधिसुषना में संलग्न श्रनुसुषी में विनिधिष्ट उनन भृमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा ग्रजित किया जाता है :

भौर भ्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग,में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारीखको निष्ठित होगा।

मनुसूची कप मं० एन० के० बी० के० से एन० के० बी० क्य०

राज्यः गुजरात	जिला :	ग्रहमवाबाव	तासुका :	विरमगाम
गांव	सर्वेक्षण मं०	हेक्टेथर	ए मर्स	सेन्टीयर
तेलाबी	237	0	15	96
	236/21	0	10	32
	236/37	0	0.5	52
	236/20	0	06	84
			 -	

[सं॰ 12016/22/79-मो०]

S.O. 3262.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1175, dated 22-3-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline: for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the righ, of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE Pipeline from well No. NKBX to NKBO

State: Gujarat

District: Ahmedabad Taluka: Viramgam Village Survey No. Hec- Are Centare tiare Telavi 237 96 0 15 236/21 0 10 32 236/17 0 05 52 236/20 06 84

[No. 12016/22/79-Prod.]

का० था० 3263 — यत पेट्रोलियम भौर खानिज पाइपलाइन (भूमि म उपयाग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन महालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० स० 1176, नारीख 22-3-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न श्रनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आश्य घोषत कर विया था,

भौर यत सक्तम प्राधिकारी ने उक्त भ्रधिनियम की घारा 6 की उपघारा (1) के भ्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है,

श्रीर भ्रागे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करेने के पश्यात् इस श्रीधसूचना से सलग्न श्रनुसूचि मे विनिर्दिष्ट भूमियी मे उपयोग का श्रीधकार भ्राजित करने का विनिश्रय किया है;

श्रव, श्रत. उक्त श्रधिनियम का घारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में सलग्न श्रनुभूषी में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन विद्याने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा श्रजित किया जाता है;

श्रीर श्रागे, उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भौर प्राकृतिक गैस भ्रायोग में, सभी बाधाभों से मुक्त रूम में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ग्रनुसूची

कूप न० एन० के० बी० जैड० से स्टीम पोईन्ट एन० के० एक्स० सक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्यः गुजरात	जिला:	पहमदाबाद	तालुका: वि	वरमबगाम
गांव	सर्वेक्षण न०	हेक्टेयर	एमारई	सेन्टीयर
सेलावी	209/36	0	04	32
	209/38	0	04	80
	209/42	0	04	56
	209/44	0	03	12
	209/46	0	06	00
	226/10	0	04	00
				

[स॰ 12016/22/79-प्रो॰ I∏

SO. 3263.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, SO. No. 1176, dated 22-3-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Ministrals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the

publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission, tree from encumbrances.

SCHEDULE

ROU for will no NKBZ to Steam Point at Rou NKX

State	Gujarat	District : Ahmedabad	Taluk	a · Vira	mgam
Villa	ige	Survey	No. Hec	Arc	Cen- tiaic
Telavi		209/36	0	04	32
		209/38	0	04	80
		209/42	0	04	56
		209/44	0	03	12
		209/46	0	06	00
		226/10	0	04	00
		[No	12016/22-	79-Proc	1 II]

का० आ० 3264 — यत पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की छार। 3 की उपयोग (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम ग्रीर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रिधसूचना का० आ० स० 3364, तारीख 5-11-78 द्वारा, केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधसूचना से सलग्न श्रमुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिधकार का पाइप लाईनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए श्राजन करने का भ्रवना श्राक्षय घोषित कर विया था;

भौर यतः सक्षम प्रधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के ग्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है,

भीर भागे, यन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विभार करने के पश्चात इस प्रधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है,

घव धत. उक्त मधिनियम का धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस मिध्यूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों थे उपयोग का मधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा मजित किया जाना है;

श्रीरभागे, उस धारा की उपघारा (4) द्वारा प्रवस शक्तिया का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देवी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीक्षकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस ग्रायोग में, सभी बाधाओं मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्चनुसूची सानन्द -4 से जी० जी० एम० एस० धाई० पी० तक विछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला	महेसाना	तालुका. क्षेत्रफल	. कड़ी
गीव	मर्जे नं ०	हेक्टेयर	एम्रार ई०	से टीयर
1	2	3	4	5
योल	1122		<u> </u>	80
	1115/2	0	06	20
	1116	0	0.5	97
	1114/3	0	11	02
	1114/2	0	04	65
	1092/2	0	05	22
	1093	0	04	55
	1094	0	05	74

±076				
	1 2	3	4	5
	1095/3	0	0 1	50
	1090	0	04	50
	1089/1	0	07	20
	1088/4	0	03	57
	1063/2	0	07	75
	Cart track	o	01	24
	1066	0	15	66
	1065	0	04	49
	1071	0	10	24
	1078	0	01	86
	1075/2	0	0.9	30
	1075/1	0	02	87
	1076/2	0	06	20
	1076/1	0	01	9 5
	1423	2	49	0 5
	P.W.D. Road	U	03	26
	तालुकः कलोल			
हाजीपुर	615/1	0	18	60

विमोक संख्या भीमासन 47 0 01 02 46 16 50 14 95 48 44 0 20 62 03 50 32 0 31 17 00 Cart track 0 0.0 62 08 26 0 0.7 83 23 17 22 0 0.0 50 18 50 1.5 50 17 O 0.0 50 16

[सं॰ 12016/1/79-प्रो॰ I]

S.O. 3264.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 3364, dated 5-11-1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline:

And whereas, the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs

that the right of user in the said lands thall, instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Na ural Gas Commission, free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Sanand 4 to GGS SIP

State : Gujarat District: Mehsana Taluka: Kadi

Village	Survey No.	Hec- tare	Ale	Cen- tiare
Thol	1122	0	03	80
	1115/2	0	06	20
	1116	0	05	97
	1114/3	0	01	02
	1114/2	0	04	65
	1092/2	0	05	22
	1093	0	04	55
	1094	0	05	74
	1095/3 1090	0 0	01 04	50 50
	1089/1	0	07	29
	1089/1	0	07	57
	1063/2	0	07	75
	Cart track	ő	01	24
	1066	0	15	66
	1065	ő	04	49
	1071	ō	10	24
	1078	0	01	86
	1075/2	0	09	30
	1075/1	0	02	87
	1076/2	0	06	20
	1076/1	0	01	95
	1423	2	49	05
	P.W.D.	0	03	26
	Road			
	Taluka : Kal	lo1		
Hajipur	615/1A	0	18	60
	Block No.			
Bhimasan	47	0	01	02
	46	0	16	50
	48	0	14	95
	44	0	20	62
	32	0	03	00
	31	0	17	00
	Cart track	0	00	62
	29	0	08	29
	26	0	07	83
	23	0	17	50
	22	0	00	50
	18	0	04	50
	15	0	04	50
	17 16	0	29 00	00 50

[No. 12016/1/79-Prod. I]

का॰बा॰ 3265.--यतः पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भौर रसायन मंत्रान्तय (पेट्रोलियम यिभाग) की मधिसूचना का० म्ना० सं० 3366 तारीख 5-11-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रश्निस्चना से संलग्न प्रमुखी में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्राजिन करने का ग्रपना ग्रामय धोषित कर विया याः

भीर यत सक्षम प्राधिकारी के उक्त भ्रधिनियम की घारा 6 की उपभारा (1) के भ्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर भ्रागे, यत. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रिधिसूचना से सलग्न भ्रनुसूची में विनिर्दिण्ट भूमियों में उपयोग का श्रिक्षार श्रीजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रत. उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा श्रीकृत किया जाना है।

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विदिन होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी बाधाशों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहिन होगा।

प्रवसची

कूप न० मोटवान - 2 से जी० जी० एम-5 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात		जिला : माध्य	1	प्रालकाः	म्रंक्ले श्वर
	गांव	सर्वे मं०	ह क ्टेयर	ए मार ई	सेण्डीयर
	 ोटवान	152/5	0	03	90
		152/4	0	05	20
		150/3	0	03	90
		15	0	06	24
		16/2	0	01	50
	-		-		

[सं० 12016/1/79-प्रो॰ 11]

एस० एम० बाई० नवीम, श्रवर सचिव

S.O. 3265.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 3366 dated 5-11-78 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers confered by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Subsection (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from well No. Motwan -2 to GGS V

State: Gujarat	District : Broach	Taluka	: Ankl	eshwar
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiaré
Motwan	152/5	0	03	90
	152/4	0	05	20
	150/3	0	03	90
	15	0	06	24
	16/2	0	01	50

[No. 12016/1/79-Prod. II]

S. M. Y. NADEEM, Under Secy. नई विस्ली, 29 घगस्त, 1979

का० आ० 3266.—भारत सरकार के श्रीधसूजना के द्वारा जैसा कि यहां मंलगन श्रनुसूची में प्रविधित किया गया है श्रीर पेट्रोबिलम श्रीर खतिज पाईप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि श्रीध्यहण श्रीधकार) श्रीधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के श्रन्तगैत प्रकाशित किया गया है, गुजरास राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उंक्त परिशिष्ट भूमि में व्यवन स्थल सं० के० श्री० डी०-3 से के-154 तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के श्रीधकार है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस मायोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की घारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 24-2-1977 से समाप्त कर विया गया है।

श्रत: श्रव पेट्रोलियम पाश्प लाइन के नियम (प्रयोगता के भृति ग्रिधिग्रहण श्रीधकार) नियम, 1963 के ग्रन्तर्गत सक्षम ग्रीधकारी एत्वद्धारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि ग्रीधमूचित करते हैं।

स्नमुस्ची के० स्रो० डी०-3 से के-154 तक पाइपलाइन कार्यसमाप्ती

मंद्रालय का नाम	गांव	का०ग्रा०सं०	भारत के राजपम्न में प्रकाशन की तिथि	कार्यं समाप्ति कीतिथि
 पेट्रोलियम रमायन ग्रौर उर्वरक	छत्राल ग्रोला	1280	21-4-1979	24-2-1977
,		[_₹	†° 12016/1	6/79-प्रो० I I]

New Delhi, 29th August, 1979

S.O. 3266.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of pertoleum from d.s. KOD-3 to K--154 in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the of crations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 24-2-1977.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pirelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of piveline from D.S. KOD-3 to K-154.

	-			
Name of Ministry	Villages	S.O. No.	rublica- tion in th	termina- e tion
			of India	f opera- tion
Petroleum, Chemi-		1280	21-4-1979	24-2-1977

[No. 12016/16/79-Prod. II]

का० धा० 3267.—मारत सरकार के भिधसुबना है द्वारा जैसा कि यहां संलग्न धनुसूची में प्रविधित किया गया है धौर पेट्रोलियम धौर खनिज पाईप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि धिधप्रहण सिधकार) प्रधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के झन्तर्गत प्रकाणित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल नेल क्षेत्र में उक्त, परिणिष्ट भूमि में ब्यधन स्थल संक के-74 से जी० जी० एस० तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के धिकार है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस भायोग नें उपयुक्त नियम के खण्ड 7 कें उपखण्ड (1) की धारा (i) में निविष्ट कार्य विनाक 22-5-70 में समाप्त कर विया है।

ग्रतः श्रव पेट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि ग्रधि-ग्रहण ग्रधिकार) नियम, 1963 के श्वन्तर्गत सक्षम ग्रधिकारी एतव्हारा उक्त निथि को कार्य समास्ति की तिथि ग्रधिसूचिन करने हैं।

मनुसूर

के-74 से जीव जीव एसव्तक पाइपलाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गोव	का ः प्रा ०सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	
पेट्रोलियम, रसायन भौर उर्वरक	कलोल ध्रमासना	255	20-1-79	22-5-70

[मं॰ 12016/16/79-प्रो**ए-**]

S.O. 3267.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. K-74 to G.G.S. VI in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 22-5-70.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. K-74 to G.G.S.

Name of Ministry	 Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Fate of termina- tion of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Kalol Dhamasan	255 a	20-1-79	22-5-70
		[No. 1	12016/16/79	Prod. II]

का० गा० 3268.—भारत सरकार के प्रधिस्वता के द्वारा जैसा कि यहां संसन प्रमुखी में प्रवाणित किया गया है और पेट्रोलियम भीर खिनिक पाईपलाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि प्रधिप्रहण प्रधिकार) प्रधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के प्रन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में व्यथन स्थल सं० के० थ्रो० डी०-9 से के० एफ० थी० तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के प्रधिकार है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस भ्रायोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उप-खण्ड (1) की धारा (i) में निर्विष्ट कार्य दिनोक 18-11-77 से समाप्त कर विया है।

श्रतः श्रब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि श्रधि-ग्रहण श्रधिकार) नियम, 1963 के श्रन्तर्गत सक्षम श्रधिकारी एतद्हारा उक्त तिथि की कार्य समाप्ति की तिथि श्रधिमुचित करने है।

के ब्रो • ही • 9 से के ० एफ • बी ० नक पाइपलाइन कार्य समाप्ति

संत्रालय का नाम	गाध	का०म्रा० स०	भारत के राजपन्नमे प्रकाशनकी निधि	
पेट्रोलियम रसायन मौर उर्वेरक	 धमासना	256	20-1-79	 18-11-79

[सं॰ 12016/16/79-प्रो॰-III]

S.O. 3268.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pireline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. KOL-9 to KFV in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 18-11-77.

Now, therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. KOD-9 to KFV.

Name of Ministry	Villages	S.O. No.		Date of termina- tion of operation
Patroluum Chanu	Dh.mas.n	354	20 1 70	10 11 27

Petroleum, Chemi- Dhamasana 256 20-1-79 18-11-77 cal & Fertilizer

[No. 12016/16/79-Prod.III]

नर्ष दिल्ली, 31 प्रगस्त, 1979

का० ग्रा० 3269.— भारत सरकार की प्रधिसूचना के द्वारा जैमा कि यहा सलग्न प्रनुसूची में प्रदर्शित किया गया है ग्रीर पेट्रोलियम ग्रीर खातज पाईप लाइन (प्रयोगकर्ता के सूमि ग्रिधिग्रहण ग्रिधिकार) ग्रीधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के भ्रन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के खाबात तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में व्यक्षन स्थल स० 23 से जी० सी० एम० तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के श्रीधकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एव प्राकृतिक गैम प्रायोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिष्ट कार्य दिनोक 20-7-76 से समाप्त कर विया गया है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम पाईप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि ग्रधि-ग्रहण श्रधिकार) नियम, 1963 के श्रन्तर्गत सक्षम श्रधिकारी एतबढारा उक्त निथि को कार्य समाप्ति की तिथि श्रधिसूचित करने है।

प्रमृत्यूची
23 से जीव मीव एसव तक पाईप लाइन कार्य की ममारित

मंस्रालय का नाम	गाव	का०धा०सं०	भारत के राजपत्न में प्रकाशन की सिथि	
	नेजा	1753	26-5-79	20-7-76

[मं० 12016/25/79-प्रो०-4]

New Delhi, the 31st August, 1979

S.O. 3269.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section(1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pireline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule, appended thereto for the transfort of petroleum from D.S. 23 to GCS in Cambay oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 20-7-76.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pirelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of o		f Pipeline	from D .S. 2	3 to GCS.
Name of Ministry	Villages	S.O.No.	Date of publication in the Gazette of India	Tate of termina- tion of operation
Petroleum Chemi- cals & Fertilizer	Zalagur Neja Sokhda Paldi	1753	26-5-79	20-7-76

[No. 12016/25/79-Prod IV]

कार आरं 3270. — भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहा गरान अनुसूचों में प्रदर्शन किया गया है और पेट्रोलियम और अनीत पाईप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिप्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहमाना तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में खेधन स्थल संव एन के 58 में एमन पीठ जेठ से एमन पीठ डीठ तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिष्ट कार्य दिनाक 25-8-75 भीर 23-2-76 से समाप्त कर दिया है।

भनः भव पैट्रोबिलम पाईप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि मधि-ग्रहण श्रधिकार) नियम, 1963 के भन्तर्गत सक्षम प्रिष्टिकारी एनद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाध्ति की निथि मधिसुषित करने हैं।

यनस्यो

एन० कें०-58 से एस० पी० जे० से एस० पी० बी० तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का०मा०स०	भारत के राजपल में प्रकाशन की निथि	कार्यं समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन भ्रीर उर्वरक	मेमदपुरा बालसामण	1231	14-4-79	25-8-75 भौर 23-2-76
,		· —— [स 。	12016/25/79	प्रोड•-∐]

S.O. 3270.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from D.S. NK-58 to SPJ to SPD in Mehsana oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 25-8-75 & 23-2-76.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. NK-58 to SPJ to SPD

Name of Ministry	Villages	S.O.No.	Date of publica- tion in the Gazette of India	Date of termina- tion of operation
Petroleum, Chemi- cals & Fertilizer	Memadpu Balsasan		14-4-79 016/25/79-1	& 23-2-76

का० ग्रा० 3271 — भारत सरकार की ग्रधिसूचना की द्वारा जैमा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदिशित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि ग्रधिग्रहण ग्रधिकार) ग्रधियिनम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के ग्रन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात गाज्य के मेहसाना तेल कीत में उक्त परिकिष्ट भूमि मे बेधन स्थल स० एन० के० ए० एन से जी० जी० एम० कम सी० टी० एफ० कडी तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के ग्रधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राक्कितिक गैस ब्रायोग के उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उप-खण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 17-11-77 से समाप्त कर विया है।

मतः श्रव पैट्रोलियम पाईप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि श्रक्षिग्रहण श्रधिकार) नियम, 1963 के श्रन्तर्गन सक्षम श्रधिकारी एनदुद्वारा उक्त तिथि को कार्य ममाप्ति की तिथि श्रधिसुचित करने हैं।

ग्रमुखो

एन० के० ए० एन० से जी•जी० एस० कम सी०टी० एफ० कडी तक पाईप क्षाइन कार्यकी समाप्ति

मंत्रालय कानाम	गौव	का०भा० स०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	
पेट्रोलियम, रसायन, धीर उर्वरक	चालासण बालसासण	1228	14-4-79	17-11-77

[सं॰ 12016/25/79-प्रोड II]

S.O. 3271—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minorals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from D.S. NKAN to GGS -cum-CTF Kadi in Mehsana oil field in Guiarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 17-11-77.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. NKAN to GGS cun CTF Kadi.

Name of Ministry	Villages	S.O.No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termina- t on of operation
Petroleum, Chemi- cals & Fertilizer		1228	J 4-4-79	1 7- 11-77
		-		

[No. 12016/25/79-Prod. LJ]

का० आ० 3272—भारत संस्कार की अधिमूचना के द्वारा जैसा कि यहां सलग्न अनुसूची में प्रविश्वन किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गन प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहमाना नेल क्षेत्र में उक्त परिणिष्ट भूमि में अयदान स्थल म० सोभासन-36 से इन्तृ० एच० आई० सोभासन-10 तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

नेल एवं प्राकृतिक गैम आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिण्ट कार्य दिनांक 9-8-78 से समाप्त कर दिया है।

श्रत श्रव पेट्रोलियम पाईप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ना के भूमि ग्राधि-प्रहण ग्राधिकार) नियम, 1963 के श्रन्तर्गत सक्षम ग्राधिकारी एतद ब्रारा उका निर्मिका कार्य समाध्यि को निथि ग्राधिसुधिन करने हैं।

ग्रनस्थो

सोभासन-36 से डब्ल्० एच० श्राई० साभासन 10 तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मत्रालय का नाम	गाय	का०म्रा०सं०	राजपत प्रकाशन	कार्यकी समाप्ति में की तिथि की
			निधि	

पेट्रोलियम, कुकस 1230 14-4-79 9-8-78 रसायन स्रोर अर्वरक

> [सं॰ 12016/25/79-प्रोड॰ **]** हस्ताक्षर (भ्रपठनीय)

गुजरात के लिए नियमान्तर्गत सक्षम प्राधिकारी

S.O. 3272—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from D.S. Sobhasan-36 to WHI Sobhasan-10 in Mehsana oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 9-8-78.

cals & Fertilizer

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Sobhasan-36 to Sob-10.

Name of Ministry Villages S.O.No. Date of publication in tion of the operation Gazette of India

Petroleum, Chemita Kukas 1230 14-4-79 9-8-7 8

[No. 12016/25/79-Prod. I] Sd/- Illegible,

Competent Authority Under the Act for Gujarat

स्वास्थ ओर परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 सिनम्बर, 1979

कार्ज्यार 3274.—स्नाकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान सस्थान, चडीगढ़ श्रीधनियम 1966 (1966 का 51) की धारा 7 का उपधारा (1) दबारा प्रदेस शास्त्रमों कर प्रमोग करने हुन कन्द्राय सरकार एतद्वरि श्री रिव राय, स्वास्थ्य श्रीर परिवार कल्याण मन्नी को डा॰ मुणीला नायर के स्थान पर स्नातकात्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुस्थान सम्थान चडीगढ का श्रीधका मनोनीन करती है।

[संख्या वी. 16013/2/79-एम०ई० (पी० जी०)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 1st September, 1979

S.O. 3273.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 7 of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act. 1966 (51 of 1966), the Central Government hereby nominates Shri Rabi Ray, Minister of Health and Family Welfare to be the President of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, vice Dr. Sushila Nayar.

[No. V. 16013/2/79-ME(PG)]

का० गा० है 3274. -- यत: केन्द्रीय सरकार ने स्नातकोत्तर जिकित्सा शिक्षा तथा प्रमुसंघान संस्थान, शंडीगढ़, प्रधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 5 के खण्ड (इ) का प्रानुसरण करते हुए, श्री के० एस० नारंग, मुख्य सिविव, पंजाब सरकार, चंडीगढ़ को श्री पी० एस० पुरी के स्थान पर स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा नथा ग्रानुसधान संस्थान, चंडीगढ़ के स्थान पर स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा नथा ग्रानुसधान संस्थान, चंडीगढ़ के सवस्य के रूप में मनोनीत किया है।

घत., ध्रव, उक्त घितियम की धारा 5 के खंड (इ) द्वारा प्रवत्त सिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा भारत सरकार, स्वास्थ्य धौर परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 30 जून, 1977 की घिषसूचना संव बीव 17013/1/77 एमव ईव (पीव जीव) में निम्नलिखित और संशोधन करती है, धर्यान :---

"श्री के॰ एम॰ नारंग, मुख्य सिषय, पंजाब सरकार, चंडीगढ़।" [संख्या बी॰ 16013/2/79-एम॰ ई॰ (पी॰ जो॰)] S.O. 3274.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (e) of section 5 of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (51 of 1966), nominated Shri K. S. Narang, Chief Secretary to the Government of Punjab, Chandigarh, to be a member of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh vice Shri P. S. Puri.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (c) of section 5 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. V. 17013/1/77-ME(PG), dated the 30th June, 1977, namely:—

"3. Shri K S Narang, Chief Secretary, Government of Punjab, Chandigarh.".

[No. V. 16013 2, 79-ME(PG)]

का ० मा० 3275 मात्रकाच चिकित्सा णिक्षा एय प्रमुसंधान रिष्यान, चडीगढ़ प्रधिनियम, 1966(1966-का 51) की धारा 5 के 1ण्ड (ड) के प्रमुसरण में केन्द्रीय सरकार एनद्वारा श्री रिव राय, व्वास्थ्य और पित्रवार कल्याण मंत्री को श्री राजनारायण, जिन्होंने, इस्तीका वे दिया, के स्थान पर स्नातकोत्तर चिकित्सा णिक्षा एवं प्रमुसंधान संस्थान चंडीगढ़ का सदस्य मनोनीस करती है और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) भारत सरकार की तारीख 30 जून, 1977 की प्रधिसूचना सख्या स० वी० 17013/1/77-एम० ६० (पी० जी०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात् ——

उस्त प्रधिसूचना में सद 1 के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाए, प्रथित् .—

"1. श्री रिव राय, स्वास्थ्य ग्रीर परिवार कल्याण मली।" [सस्थ्या वी० 16013/2/79-एम० ई० (पी०जी०)] प्रकाश चन्द्र जैन, डेस्क ग्रधिकारी

SO. 3275.—In pursuance of clause (e) of section 5 of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (51 of 1966), the Central Government hereby nominates Shri Rabi Ray, Minister of Health and Family Welfare, to be a member of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh vice Shri Raj Narain resigned and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. V. 17013/1/77-ME(PG) dated the 30th June, 1977, namely:—

In the said noification, for item 1, the following item shall be substituted, namely:—

"1. Shii Rabi Ray, Minister of Health and Family Welfare".

[No. V. 16013/2/79-ME(PG)] P. C. JAIN, Desk Officer

(स्वास्थ्य विभाग)

मई विल्ली, 3 सितम्बर, 1979

का॰ श्रा॰ 3276.—भारतीय भ्रायुधिकान परिषद नियम, 1957 के नियम 2 के खण्ड (घ) के भ्रमुक्षरण में केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा बा॰ एस॰ नानादेशिकल, निवेशक, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य भौर परिवार, कल्याण विभाग, तमिलनाडु को भारतीय भ्रायुविभाग परिषद ग्रिधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के भ्रंतर्गत तमिलनाडु राज्य से भारतीय भ्रायुविभान परिषद के सवस्य का निविधन करने के लिए "चुनाव ग्रिधिसुजना" नियुक्त करती है।

[संख्या बी॰ 11013/27/79-एम॰ ई॰ (पी॰)] के॰ एल॰ भाटिया, ग्रवर सचिव

(Department of Health)

New Delhi, the 3rd September, 1979

S.O. 3276—In pursuance of clause (d) of rule 2 of the Indian Medical Council Rules, 1957, the Central Government hereby appoints Dr. S. Gnanadesikan, Director of Medical Education, Health and Family Welfare Department, Tamil Nadu, as 'Returning Officet' for the conduct of election of a member to the Medical Council of India under clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956, 102 of 1956) from the State of Tamil Nadu.

[No. V-11013/27/79-M.E. (Policy)]

K. L. BHATIA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 ग्रगम्त, 1979

परिपत्न

कां० श्रा० 3 2 7 7 -- भारत के राजपत्र , भाग 2, खण्ड 3, उप खण्ड (2), तारीख 16-6-79 में पुष्ठ 1763-64 पर प्रकाशित भारत सरकार के स्वारभ्य ग्रीर परिवार कल्याण मन्नालय (स्वारभ्य विभाग) की ग्रधि-मुखना सं० का० धा० 2068, तारीख 30 मई, 1979 में . ---

16 वी पंक्ति के रीचे श्रौर 'सेरा' से ऊपर निम्नलिखित वाक्य पढ़े —

सभी वर्ग की जैव और प्रजैव औषधियां किन्तु जिनके मन्तर्गत निम्नलिखित वर्गी की श्रीपश्चिया नहीं है, भ्रषांत :--

जी० पंचापकेशन, ग्रवर सचिय

कृषि और सिंचाई संवासय

(कृषि विवाग)

नई दिल्ली, 7 ग्रगम्त, 1979

का० भा० 3278.---वन्यप्राणी क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई में कार्य कर पहे वो निरीक्षको को एनदहारा बन्यप्राणी (संरक्षण) प्रधिनियम, 1972 की धारा 50 के तहत, प्रधिनियम की उस्लिखित धारा की उप-धारा (2) नथा (6) के तहन प्रदन शक्तियों को छोड़कर, शक्तियों को प्रयोग करने की स्थीकृषि प्रदान की जाती है:

> [सङ्या 2-17/79-एफ० श्रार० वाई० (**इ**ब्ह्य० तम्ब०)] एन० श्री० जयाल, निदेशक, बन्यप्राणी सरक्षण

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 7th August, 1979

S.O. 3278.—Two Inspectors working in the Wildlife Regional Office, Bombay, are hereby authorised to exercise powers under Section 50 of the Wildlife (Protection) Act, 1972, except the powers provided under Sub-Section (2) and (6) of the said Section of the Act.

> [No. 2-17/79-FRY(WL)] N. D. JAYAL, Director, Wildlife Preservation

(खाद्य विमाप)

श्रादेश

नई विस्ती, 31 ग्रगस्त, 1979

का॰ आ॰ 3279 — धतः केन्द्रीय सरकार ने खाख विभाग, केन्द्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और बाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के ऋष, भण्डारकरण, संचलन, परिवहन, वितरण तथा विकय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जो कि खाद्य निगम मधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के मधीन भारतीय खाय निगम के कृत्य हैं।

भौर यत. खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयो, उपाप्ति निदेशालयों भौर खाद्य विभाग के वेगन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे भौर ऊपरि-र्थाणत करयों के पालन में लगे निम्नलिखित प्रश्विकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के नारीख 16 प्रप्रैन, 1971 के परिपन्न के प्रथात्तर में उसमें विनिर्विष्ट तारीख के ग्रन्दर भारतीय जाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के भवने भागप को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नही दी है।

न्नतः अब **खार्य** निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अ**ख**तन मंगोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त मस्तियां का प्रयोग करते हुए। केन्द्रीय सरकार एनबुद्वारा निस्नलिखित कर्मचारियो की प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाग्र निगम में स्थानान्तरित करती है:---

	मधिकारी/कर्मवारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के श्रधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्री सरकार के श्रधीन पद	य भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की नारीख
1		3	4	5
 1. श्री	। इप्रविद्यालय	- ——— -—	 नक्तीकी सहायक	1-3-69
	ो के ब्रो	कनिष्ठ लिपिक	कनिष्ट सिपिक	1-3-69
	। भारु ए० जंगिद	- व ही-	गोवाम क्लर्क	1-3-69
	। ग्राई०के० गोषिन्दानी	गोदाम क्लर्क	-बही-	1-3-69
	। गोपास सिंह	बही	–व ह ी⊶	1-3-69
	। सी०बी० सजनानी	—वही—	-वही-	1-3-69
-	। एस०ए० झो रानी	–वर्हा <i>–</i>	— य ही∽	1-3-69
	. एच ०के० वर्मा	–वही ∽	⊸वही−	1-3-69

1 2	3	3	3
9 थी ए०के० माथुर	 गोंदाम क्ल र्क	 गोदाम स्ल र्क	1-3-69
10 श्रीबी०डी०भारकाज	- वही-	- व ही -	1-3-69
1.1 श्रीमांगृसिह	वाचमैन	वाचमै न	1-3-69
12 श्रीदुर्गीसह	- ब्रही	डैस्टिंग श्रापरेटर	1-3-69
1.3 श्रीरामसिंह	- वष्टी⊣	वाच मै न	1-3 - 69
1.4 श्रीहरिराम	–षही ∞	- ≆€î-	1-3-69
15 श्रीहेम सिह	- वही-	धर्ही	1-3-69
16. श्री चिन्नामणि 'बी'	- वही-	- वही	1-3-69
17. श्री बहादुर सिह	−वही−	–वहो–	1-3-69
18. श्री एच०एम० मूलचन्दानी	गोदाम भलकी	गोवाम क्लर्क	1-3-69
19 श्रीबी०पी०ठुकरानी		–वही-	1-3-69
20. श्री टी॰टी॰ विद्यानी		-ब ही	1-3-69
21 श्रीभगवान परवानी		- वही -	1-3-69
22 श्री टी <i>०</i> ए च ० म्वा व री		वही	1-3-69
23 श्री डी ०टी० होत् य न्दानी	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69

[संख्या 52/1/79-एफ०सी० III (बास्यूम III] बढगी राम, उप-मजिन

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 31st August, 1979.

S.O. 3279.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimate, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section I of Section 12A of the said Act,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporation Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. Name of the offi	cer/em	ploye	es		 	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the F.C.I.
1	_ 2				 _	3	4	5
1. Sh. Irshad Alam .						Technical Assistant	Technical Assistant	1-3-69
2. Sh. K.C. Chug .						Junior Clerk	Junior Clerk	1-3-69
3. Sh. R.A. Jangid							Godown Clork	1-3-69
4. Sh. I.K. Govindani						Godown Clerk	Do.	1-3-69
5. Sh. Gopal Singh .						Do.	Do.	1-3-69
6. Sh. C.B. Sajananı				_		Do.	Do.	1-3-69
7. Sh. S.H. Jhaurani						Do.	Do.	1-3-69
8. Sh. H.K. Verma .						Do.	Do.	1-3-69
9. Sh. A.K. Mathur	•				,	Do.	Do.	1-3-69
10. Sh. B.D. Bhardwaj						Do.	Do.	1-3-69
11. Sh. Mangu Singh						Watchman	Watchman	1,3-69
12. Sh. Durga Singh .						Do.	Dusting Operator	1-3-69
13. Sh. Ram Singh .				-		Do.	Watchman	1-3-69
14. Sh. Hari Ram .	•					Do.	Do.	1-3-69

 							
15, Sh. Hem Singh					Watchman	Watchman	1-3-69
16. Sh. Chinta-Mani 'B' .		_			Do.	Do.	1-3-69
17. Sh Bahadur Singh					Do.	Do.	1-3-69
18. Sh H.M. Moolchandani					Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
19. Sh. B.P. Thukram					_	Do.	1-3-69
20. Sk T.T Dewani .					—	Do.	1-3-69
21. Sh. Bhagwan Parwani					_	Do.	1-3-69
22. Sh. T.H. Quadri			-		_	Do.	1-3-69
23. Sh. D.T. Hotchandani .				·	Godown Clerk	Do,	1-3-69
	_	_		_			

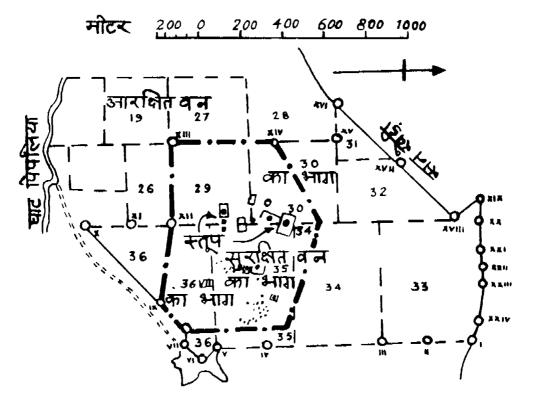
[No. 52/1/79-FC. III (Vol. III)] BAKSHI RAM, Dy. Secy.

भारतीय पुराप्तत्व सर्वेक्षण

नई बिल्ली, 6 सितम्बर, 1979 (पुरातस्व)

का० ग्रा॰ 3280 - केन्द्रीय सरकार प्राचीन सस्मारक ग्रीर पुरातन्त्रीय स्थल भीर भवगेष मधिनियम, 1958 (1958का 24) की धारा 36 द्वारा प्रदत्त गक्तियो का प्रयोग करले हुए, निदेश देली है कि भारत के राजपत्र भाग, 2 अवण्ड 3, उपआवण्ड (ii) तारीख 2 जुलाई, 1977 के पृष्ठ 2407 पर प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरानत्य मर्वेक्षण) की प्रधिसूचना स०का०ग्रा० 2210, तारीख 17 जून, 1977 के नीच विनिर्विष्ट रीति से मृद्ध किया जाएगा, श्रयित् उमत प्रधिसूचना मे प्रनुसूची में निम्नलिखिन जोडा जाएगा, प्रथित् .--

मुरेल खुर्द, जिला रायसेन (म प्र.) में बोद्ध स्तूपीं और जन्य अवशेषों का मानवित्र



सुर्गण के निरे प्रस्तावित देन्त्र

[स॰ 2/22/72-एम०]

बाल कृष्ण थापर, महानिवेशक ग्रीर पदेन संयुक्त सचिव

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

(Department of Culture)

New Delhi, the 6th September, 1979

(ARCHAEOLOGY)

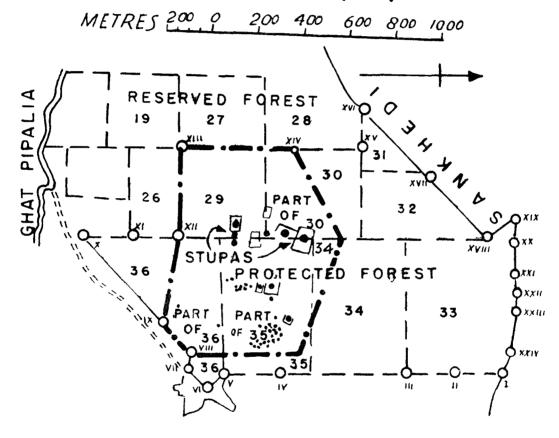
S.O. 3280.—In exercise of the powers conferred by Section 36 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and

Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby directs that the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S.O. 2210, dated the 17th June, 1977, published in the Gazette of India, Part II-Section 3, Sub-section (ii) dated the 2nd July, 1977 at pages 2407 and 2408 shall be corrected in the manner specified below, namely:—

In the said notification, to the Schedule, the following

shall be added, namely :-

SITE-PLAN OF BUDDHIST STUPAS AND OTHER REMAINS AT MUREL KHURD DISTT. RAISEN (M.P.)



AREA PROPOSED FOR PROTECTION.

[No. 2|22|72-M] B. K. THAPAR, Director General and

Ex-Officio Joint Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1979

का॰ ग्रा॰ 3281 .-- केन्द्रीय सरकार, पंजाब पुनर्गठन ग्रधिनियम, 1966 (1966 का 31), की धारा 80 की उपधारा (5) के ग्रनसरण में व्यास परियोजना के सघटक का, ग्रर्थात् 220 के० वी० पानीपत-नरेला लाईन सर्कट III का, जिसके सबंध में सिन्नमीण पूरा हो गया है, उक्त म्रधिनियम की धारा 80 की उपधारा (6) के साथ पठित धारा 79 के ग्रधीन गठित भाखड़ा व्यास प्रबंध बोर्ड को ग्रन्तरण करती है ग्रौर यह ग्रन्तरण तुरन्त प्रभावी होगा ।

[पत्न सं० 21/14/76-डी०-III-खण्ड III] शिप्रा० मण्डल, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 1st September, 1979

S.O. 3281.—In pursuance of sub-section (5) of Section 80 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), Central Government hereby transfers, with immediate effect, the component of the Beas Project, namely 220 KV Panipat Narela Line Circuit No. III. in relation to which the construction has been completed, to the Bhakra Beas Management Board constituted under section 79, read with sub-section (6), of section 80 of the said Act tion (6) of section 80, of the said Act.

> [F. No. 21/14/76-D.III-Vol.-III] SHIPRA MANDAL, Under Secy.

विल्ली विकास माधिकरण

नई दिल्ली, 4 सिनम्बर, 1979

का० धा० 3282.—विल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 (प्रधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार की भूमि एवं विकास कार्यालय निर्माण एव आयान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के ध्रधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण नियुक्त किया धौर अब यह भूमि 1982 के एशियाई खेलों के लिए हाकी स्टेडियम बनाने हेतु केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को स्थानान्तरित की आती है।

ग्रनसची

संगम मिनेमा के विपरीन सैक्टर-10, रामा कृष्णा पुरम में स्थित साईट सं०-97 की ग्रिश्चसूचना एस० भ्रो० 4719 विनोक 21/8/75 के धन्तर्गत लगभग 28 एकड़ (लगभग 11.3312 हैक्टर) भूमि के भाग को दिखाया गया है। उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है:---

उत्तर: सडक

वक्षिण : खेल का मैदान भीर घोकी घाट

पूर्वः सङ्क पश्चिमः सङ्क

[सं॰ एस॰ एण्ड एस॰ 33(14)/79-ए॰एस॰म्रो॰ (I) 565-67]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 4th September, 1979

S.O. 3282.—In pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (Act 61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Govt. the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the Central Public Works Department for construction of Hockey Stadium for Asian Games, 1982.

SCHEDULF

Piece of land measuring about 28 acres (about 11 3312 Hectares) situated in Sector-X, R. K. Puram, opp. Sangam Cinema, bearing Site No. 97 full of Notification No. S.O. 4719 dated 21-8-75.

The above piece of land is bounded as follows :--

North: Road

South: Play Ground & Dhobi Ghat.

East: Road West: Road.

[No. \$&S 33(14)/79-ASO(I)/565-67]

नई दिल्ली, 6 मितम्बर, 1979

का॰ ग्रा॰ 3283.—विल्ली विकास ग्रिप्तियम, 1957 (1957 की संख्या 61) की धारा 5, उपधारा (2) के बण्ड (बी) के भन्तर्गंत प्रशासक/संभ क्षेत्र विल्ली के उपराज्यपाल द्वारा उन्हें उकत गरकार की ग्रिप्तियां समया 18011(28)/67-यूडी विनांक 14-2-69 द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री एम॰एस॰ मेहता, वास्तुविद् विल्ली नगर निगम के स्थान पर श्री एम॰एस॰ बुच, उपाध्यक्ष, दिल्ली त्रिकास प्राधिकरण की विल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार समिति का सर्वस्य नामित कर दिए जाने के परिणामस्वरूप मलाहकार समिति के गठन की ग्रिप्तियम प्राधिकरण एसद्वारा निम्नलिखित संगोधन करता है —

	मद सक्ष्या	के स्थान पर	प्रतिस्थापित	-
1	2	3	4	
1		श्री एम० एम० मेहता, बाम्तुविद्, दिस्सी नगर निगम ।	श्रीएम० एन० बुच, उपाघ्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण।	

[मं० सैकेंटरी/बी ए॰ड सी/26/पीटी-IT] हरी राम गोयल, सचिव

New Delhi, the 6th September, 1979

S.O. 3283.—Consequent upon the nomination of Shri M.N. Buch, Vice-Chairman, Delhi Development Authority, made by the Administrator/Lt. Governor Union Territory of Delhi, under clause (b) of sub-section (2) of section 5 of the Delhi Development Act (No. 61 of 1957) while exercising the powers of that Government delegated to him vide notification No. 18011(28)67-UD dated 14-2-69 as member of the Advisory Council of the Delhi Development Authority in place of Shri MS Mehta, Architect, Municipal Corporation of Delhi, the Delhi Development Authority hereby makes the following amendments to the notification No. F. 1(33)/58-6A/dated 20th Oct., 1962 constituting the advisory council, viz.

S. No.	In item No.	For entries	Substitute
1	2	3	4
			
1	(2)	Shri M.S. Mehta, Architect, Municipal	Corporation Shri M.N. Buch, Vice-Ckairman, Delhi Development
		of De lhi	Authority.
		- · 	

[No. Secy./V & C/26/67-Pt. II] H. R. GOEL, Secy.

संचार मंत्रालय

(डाकतार बोर्ड)

न**६ दिल्ली, 11 सिनम्बर, 1979**

कार गाँउ 3284 — स्थायी प्रादेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा(क) के प्रनृतार डाक-नार महानिवेशक ने पेदाना, पोलावरम, गुड्र टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-10-79 से प्रमाणिन दरप्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सस्या 5-7/79-पी०एक०बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 11th September, 1979

SO. 3284.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifics 1-10-1979 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Padana, Polavaram and Gudur Telephone Exchange, Andhra Pradesh circle.

[No. 5-7/79-PHB]

कार आरं 3285. — स्थायी आदेश संख्या 627, दिनाक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खड III के पैग(क) के अनुसार डाक-नार महानिदेशक ने कोंडम्पडु व प्रतिपडु टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-10-79 से प्रमाणित दरप्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सक्या 5-7/79 पी० एच० की०] भार०सी०कटारिया,सहायक महानिदेशक

5.0. 3285.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs; hereby specifies 1-10-1979 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kondrupadu and Pratipadu Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-7/79-PHB.]

R. C. KATARIA, Asstt. Director (General)

रेल मंबालय

(रेलवे बोर्ड)

नई विस्ली, 7 सितम्बर, 1979

का॰ था॰ 3286. --राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनो के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम(2) धौर (4) के धनुपालन मे रेल मंज्ञालय (रेलवे बोर्ड) पश्चिम रेलवे के निम्नलिखित कार्यालयों को, जहां के कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यगाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया, ध्रधि-सूचित करता है:--

- 1. भडल सिगनल और दूर संचार इंजीनियर (निर्माण) का काग्रीलय, कोटा
- वरिष्ठ लेखा मधिकारी (सर्वे मौर निर्माण) का कार्यालय, कोटा
- 3. मण्डल लेखा कार्यालय, कोटा
- 4. इंजीनियर प्रमुख (सर्वे व निर्माण) का कार्यालय, कोटा
- कार्याथय इंजीनियर (निर्माण) प्रथम—कोटा
- कार्यालय इंजीनियर (निर्माण) विवतीय—कोटा
- निर्माण प्रवधक (कारखाना) का कार्यालय, कोटा

- 8. जिला भंडार नियनक (कारखाना) का कार्यालय, कोटा
- वरिष्ठ लेखा प्रधिकारी (कारखाना) का कार्यालय, कोटा
- 10. महल लेखा कार्यालय, रतलाम
- 11. मंडल लेखा कार्यालय, जयपुर
- 12 मंडल लेखा कार्यालय अजमेर
- 13. तकमीकी प्रशिक्षण विद्यालय, श्रजमेर
- 14. उप मुख्य लेखा ग्रधिकारी (यातायात) का कार्यालय, ग्रजमेर
- 15. प्रपर मुख्य योक्षिक इजीनियर (कारखाना) का कार्यालय, अजमेर
- 16. उप मुख्य यात्रिक इंजीनियर, (कैरीज) का कार्यालय, अजमेर
- उप मुख्य लेखा अधिकारी (कारखाना व भण्डार) का कार्यालय, अजमेर
- 18. जिला बिजली इंजी० (फारखाना) का कार्यालय, प्रजमेर
- 19. उप मुख्य भंडार नियंत्रक का कार्यालय, अजितेर
- 20. मैडीकल सुपरिटेन्डेट का कार्यानय, श्रजमेर
- 21. जिला बिजली इंजी० (प्रोडेक्शन) का कार्यालय, प्रजसर
- 22 क्षेत्रीय प्रशिक्षण विद्यालय, उदयपुर
- 23. प्रवर लेखा प्रधिकारी, (इतर यातायात लेखा) का कार्यालय, पश्चिम रेलये, दिल्ली किशनगंज
- 24. मुरक्षा अधिकारी का कार्यालय, अजमेर

[सं० हिन्दी-78/रा०भा०-15/7] के० बालचन्द्रन, मचित्र रेलवे बीर्ड एवं भारत सरकार के पढेल संयुक्त सचित्र वाणी विलास गर्मी, कृते निदेशक, राजभाषा रेलवे, बोर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 7th September, 1979

- S.O. 3286.—In pursuance of Sub-Rule (2) & (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the undermentioned Offices of Western Railway, the staff where of have acquired the working knowledge of Hindi:—
 - Office of the Divisional Singal & Tele-Communications Engineer (Const.), Kota.
 - 2. Office of the Senior Accounts Officer (Survey & Const.), Kota.
 - 3. Divisional Accounts Office. Kota.
 - 4. Office of the Chief Engineer (Survey & Const.), Kota.
 - 5. Office of the Engineer (Const.)-I, Kota.
 - 6. Office of the Engineer (Const.)-II, Kota.
 - Office of the Works Manager (Workshop), Kota
 - Office of the District Controller of Stores (Workshop), Kota.
 - 9. Office of the Sr. Accounts Officer (Workshop), Kota.
 - 10. Divisional Accounts Office, Ratlam.
 - 11. Divisional Accounts Office, Jaipur.
 - 12. Divisional Accounts Office, Ajmer.
 - 13 Technical Training School, Ajmer.
 - Office of the Dy. Chief Accounts Officer (Traffic), Ajmer.

- Office of the Addl. Chief Mechanical Engineer (Workshop), Ajmer.
- Office of the Dy. Chief Mechnical Engineer (Carriage), Ajmer.
- Office of the Dy. Chief Acconts Officer (Workshop & Stores), Ajmer.
- 18. Office of the Dy. Chief Controller of Stores, Ajmer.
- Office of the District Electrical Engineer (Workshop), Aimer.
- 20. Office of the Medical Superintendent, Ajmer.
- 21. Office of the District Electrical Engineer (Production), Aimer.
- 22. Zonal Training School, Udaipur.
- 23. Office of the Sr. Accounts Officer (Foreign Traffic Accounts Office), Western Railway, Delhi Kishanganj.
- 24. Office of the Security Officer, Aimer.

[No. Hindl-78/RB-15/7]

K. BALACHANDRAN, Secy. Railway Board

V. V. SHARMA, for Director(OL) Railway Board.

भ्रम मंत्रालय

नई विल्ली, 31 भगस्त, 1979

का० धा० 3287 — केन्द्रीय सरकार, खान घ्रधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, धौर भूतपूर्व श्रम धौर नियोजन विभाग की घ्रधिसूचना सं० सा० का० नि० 20, नारीख 26 दिसम्बर, 1963, स० सा० का० नि० 1579, तारीख 19 धक्तूबर, 1965, सं० का० घ्रा० 3920, नारीख 12 सितम्बर, 1969 धौर स० का० घ्रा० 2136, सारीख 6 जून, 1970 को घ्रधिकान्त करने हुए, कोयला खान श्रमिक कस्याण संगठन के निम्निवित घ्रधिकारियों को खान निरीक्षक के स्पर्म नियुक्त करती है, जो मुख्य निरीक्षक के घ्रधीनस्थ होंगे, धर्यात् —

- 1. हुमारी एम० माथुर, कस्याण प्रज्ञासक
- 2. श्री पी० एस० मुर्म्, कस्याण प्रशासक
- 3. बी० एस० भादरिया, कल्याण प्रकासक
- 4. श्री ए० पी० जायमवाल, सहायक कस्याण प्रशासक
- श्री एच० जी० एल० घप्रवाल, सहायक कल्याण प्रशासक
- श्री एस० एस० सनीजा, कल्याण निरीक्षक
- श्री भार० एन० यादव, कल्याण निरीक्षक
- 8 श्री एन० जे० सिन्हा राय, कस्याण निरीक्षक
- 9. श्री के० एम० राव, कस्याण निरीक्षक ।

[स॰ ए-12026/1/78-एम II] पी॰कं॰ सेन, भवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 31st August, 1979

S.O. 3287.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952) and in supersession of the notification of the Department of Labour and Employment No. G.S.R. 20 dated the 26th December, 1963, No. G.S.R. 1579 dated the 19th October, 1965, No. S.O. 3820 dated the 12th September, 1969 and No. S.O. 2136 dated the 6th June, 1970, the Central Government hereby appoints the following officers of the Coal Mines Labour Welfare Organisation to be Inspectors of Mines subordinate to the Chief Inspector, namely:—

1. Miss S. Mathur, Welfare Administrator.

- 2. Shri P. S. Murmu, Welfare, Administrator
- 3. Shri B. S. Bhaduria, Welfare Administrator.
- 4. Shii A. P. Jaiswal, Assistant Welfare Administrator.
- Shri H. G. L. Agarwal, Assistant Welfare Administrator.
- 6. Shri S. S. Saneeja, Welfare Inspector.
- 7. Shri R. N. Yadav, Welfare Inspector.
- 8. Shri N. J. Sinha Roy, Welfare Inspector.
- 9. Shri K. M. Rao, Welfare Inspector.

No. A-12026/1/78-M II]
P. K. SEN, Under Secy,

चादेण

नई दिल्ली, 21 श्रगम्न, 1979

का० ग्रा० 3288 - इससे जपाबद्ध ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट श्रीधो-गिक विवाद, श्री सी० एल० नरसिष्ठ राव, पीठासीन ग्रधिकारी, ग्रीधोगिक ग्रधिकरण, हैदराबाद के समक्ष लंबित हैं :

भीर श्री सी० एल० नर्रामह राव की सेवाए भन उपलब्ध नहीं रहीं हैं;

मतः, मम, केन्द्रीय सरकार, भीषोगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 33-व की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 7क द्वारा प्रवत्न गिक्सियों का प्रयोग करते हुए, एक भीषोगिक प्रधि-करण गठित करती है जिसके पीठासीन प्रधिकारी श्री जी० संश्रामित रेड्डी होंगे भीर मुख्यालय हैदराबाद में होगा भीर उक्त श्री मी० एल० नरसिह, पीठासीन प्रधिकारो, भीषोगिक प्रधिकरण, हैदराबाद के समक्ष लंबित उक्त विवाद से सबद्ध कार्यवाही को वापम लेती है भीर उसे श्री जी० संशामित रेड्डी, पीठासीन ध्रधिकारो, भीषोगिक प्रधिकरण, हैदराबाद को इस निवेश के साथ प्रतरित करती है कि उक्त ध्रधिकरण भागे कार्यवाही उस प्रक्रम से करेगा, जिम पर वह उसे प्रंतरित की मई तथा विधि के ध्रनसार उसका निषटारा करेगा।

धनुसूची केन्द्रीय सरकार के लंबिन धीचोगिक विवाद

क्रमांक	ष्मीद्योगिक विवाद सख्या	भादेश संख्या भौर तारी ख	पक्षकारों के नाम
1	2	3	4
1.			•
2.		श्रम, रोजगार धौर पुनर्वास मंत्रालय, भारत सरकार, नई विल्ली का धावेश सक्या एल-21012/21/ 79-डो-4 (बी), दिनोक 12-3-1979।	करीमनगर, जिला के

[फा॰स॰ 11025/1/79-डी॰-4(बी) पार्ट-2)] भसि भूषण, बेस्क, ग्रधिकारी New Delhi, the 21st August, 1979

ORDER

S.O. 3288. Whereas, the Industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before Shii C.L. Nirasimha Rao, the Presiding Officer. Industrial Tribunal, Hyderabad:

And, Whereas, the services of Shri C.L. Narasimha Rao are no longer available;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with sub-section (i) of the Section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947)—the Central Government bereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri. G. Sadasiva Reddy, with Headquarters at Hyderabad and withdraws the proceedings in relation to the said disputes pending before the said Shri. C.L. Narasimha Rao, Presiding Officer, Industrial Tribunal Hyderabad and transfers the same to Shri, G. Sadeasiva Reddy, Presiding Officer, Industrial Tribunal Hyderabad with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

No, and date of

Name of the

Central Government's Industrial Disputes pending

LD, No.

S.N.

	the order	parties
1.	Order No. L. 21012(19)/79-D.IV(B) dt. 16-3-79 from Ministry of Labour, Employment & Re- habilitation, Govt. of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Celheries Cempany Limited, Ramagundam Div. I Godavari Khani Karimnagar District.
2.	Order No. L. 21012(21)/79-D.IV(B) Dt. 12-3-79 from Ministry of Labour, Employment & Re- habilitation Govt. of India, New Delhi.	Workmen Shri G. Nanyana and the Management of Singareni Col- lieries Co. Itd, of Remagundam Div. I, Godavari- khani, Karim- nagar, District,
	[F. No. S. 11025	(1)/79-D.IV(B)Pt II]

New Delhi, the 7th September, 1979

S.O. 3289.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Khas Kajora Colliery P.O. Kajoragram, Distt. Burdwan and their workmen which was received by the Central Government on 5th September, 1979.

BEFORE SHRI JUSTICE S. K. MUKHERJEE, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAI TRIBUNAL, CALCUTTA.

Reference No. 91 of 1978

PARTIES:

Employers in relation to the management of Khas Kajora Colliery.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES.

- On behalf of Employers—Shi P. N. Singh, Assistant Chief Personnel Officer.
- On behalf of Workmen--Shri P C. Pandev, the concerned workman.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Coal Minc.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-19012(59)76-D-IV(B)/D III(B) dated 18th November, 1978 referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Khas Kajora Colliery and their workmen, to this tribunal, for adjudication. The reference reads:

- "Whether the action of the management of Khas Kajora Colliery of Eastern Coalfields Limited, Post Office Kajoragram, District Burdwan in removing Shri P C. Pandey, an employee of Khas Kajora Colliery, from service with effect from 24th April, 1975 from justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. The parties duly filed their pleadings. Thereafter the case was fixed for hearing on August 27,1979. At the hearing the parties jointly filed a Memorandum of Settlement by which they sought to dispose of the Reference. I have gone through the terms of Settlement and am of opinion that the terms are fair and reasonable. A copy of the said Memorandum of Settlement is annexed hereto as a part of this Award.
- 3. In the result, I make my award in terms of the Memorandum of Settlement referred to above.

S. K. Mukherjee, Presiding Officer.

Dated, August 27, 1979.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA.

Reference No. 91 of 1978

PARTIES:

Employers in relation to the management of Khas Kajora colliery P.O. Kajoragram Dt. Burdwan.

AND

Their workmen

The employer and the workmen in the above reference jointly beg to state that by mutual discussion held between the parties, they have agreed to settle the dispute which is the subject matter of the above reference on the following terms without any prejudice to the respective contentions made by the parties in their written statements.

- 1 It has been agreed by employe, that the concerned workman Sri P. C. Pandey will be re-instated in his former job and he will be posted anywhere in Kajora Area of the Company where the management may find suitable and such posting will be accepted by the concerned workman.
- 2. That the concerned workman will be paid 50 per cent of his wages and othel dues which he could have earned had he been employed for the period of his non-employment reckoned from the date of his removal from service and the date of re-instatement and the concerned workman will not be able to claim any other payment for the said period.
- 3. That the aforesaid period of his non-employment will be treated as special leave with above said 39 per cent wages and the same will count towards the continuity of his service for payment of gratuity, annual increment etc.
- 4. That the settlement of the above case on the aforesaid terms will enable the parties to maintnainn harmonious industrial relation and the parties therefore most humbly pray that Hon'ble Tribunal will be pleased to grant necessary

permission for settlement of the dispute in terms recorded above and to pass an award by treating this petition as a part thereof.

For workman

For Employers (Sd. illegible)

Witnesses:

1. (Sd. illegible) [No. L-19012/59/76.D.HI(B)/D.IV(B)]
2. (Sd. illegible) SHASHI BHUSHAN, Desk Officer

नई विरुली, 22 ग्रगस्त, 1979

का० ग्रा० 3290 — केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्व भ्रमुख्वी में विनिर्विष्ट विषयों के बारे में, भारतीय खाद्य निगम की मार्डन राइस मिल, नेल्लूर के प्रबन्धतंत्र से सबद्ध नियोजको धीर उसके कर्मकारों के बीच एक भीषोगिक वियाद विद्यमान है;

भौर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वाछनीय समझती है:

ग्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क श्रौर धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (श) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, एक भौद्योगिक मधिकरण गठिन करती है जिसके पीठासीन प्रधिकारी श्री जी० सदाशिव रेड्डी होगे भौर मुख्यालय हैदराबाद में होगा भीर उक्त विवाद को जक्त भौद्योगिक प्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रनुसूची

क्या भारतीय खाळ निगम की माडनं राइस मिल, नेस्लूर के कर्मकारो की निम्म्वलिखित मांगे त्यायोजित है ? यदि हा, तो कर्मकार किस धनुतोय के हकदार है ?

- निम्निसिखत 22 कर्मचारियों को स्थायी प्रास्थिति धनुवत्त करमा:---
- (1) एम० भोलहापुरी
- (2) स्वर्णरमईया
- (3) जे० फ्रांसिस
- (4) ई ० वेंक्रेडी
- (5) भैख मस्तान
- (6) जी० रमनम्म
- (7) जे० वेकम्मा
- (8) फैलाबाभा
- (9) भैख पेडा मस्तान
- (10) एम० चंद्रम्मा
- (11) सेखनाने माहेब
- (12) एन० कोटैइया
- (13) एल व वेंकैश्वा
- (14) शेख मस्तान (नम्कुरू)
- (15) शैंच मौला साहब
- (16) पट्टन मस्तान
- (17) जी० डेविड
- (18) शैख कालेशा
- (19) एस० च० हनुमन्ना
- (20) बी० वैंक इया
- (21) दसर्तागरी बाणा
- (22) राज्

- 2 मजद्वरी दर को बढ़ाकर 7 00 व्यये प्रतिदिन करना ।
- 3 प्रस्येक कर्मकार को प्रत्येक वर्ष 15 दिन की बीमारी छुट्टी देना।
- प्रत्येक कर्मकार को प्रत्येक वर्ष खाकी वर्दी के दो जोड़े सप्लाई करना।

[सक्या एल-42011(22)/78-डी० 2 (बी)]

ORDER

New Delhi the 22nd August, 1979

S.O. 3290.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Modern Rice Mill of the Food Corporation of India, Nellore and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shii G. Sadasiva Reddy shall be the Presiding Officer with headquaters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the under mentioned demands of the workmen of the Modern Rice Mill of the Food Corporation of India, Nellore, are justified? If so, to what relief are the workmen entitled?

- 1. Grant off permanent status to the 22 workers whose names are listed below:—
 - (i) M. Kolhapuri
 - (ii) Swarna Ramaiah
 - (iii) J. Francis
 - (iv) E. Venkuredy
 - (v) Shaik Mastan
 - (vi) G. Ramanamma
 - (vii) J. Venkamma
 - (viii) Shaik Basha
 - (ix) Shaik Peda Mastan
 - (x) M. Chandramma
 - (xi) Shaik Nanne Saheb
 - (xii) N. Kotaiah
 - (xiii) L. Venkaiah
 - (xiv) Shaik Mastan (Narukuru)
 - (xv) Shaik Moula Saheb
 - (xvi) Pattan Mastan
 - (xvii) G. David
 - (xviii) Shaik Kalesha
 - (xix) S. Ch. Hanumanna
 - (xx) V. Venkaiah
 - (xxi) Dastagiri Basha
 - (xxii) Raju.
- (2) Enhancement of daily rates of wages to Rs. 7.00 per day,
- (3) Grant of 15 days' sick leave to each worker every year.
- (4) Supply of 2 pairs of Khaki Uninforms to each worker every year.

[No. L-42011(22)/78-D.II(B)]

वर्ष दिल्योः, व नितम्बर, 1979

कार आर 3291 र हैंकोर सरवार, कर्मवारी राज्य ग्रीमा श्रिधिनियम, 1945 (1918 का 31) को धारा 88 द्वारा प्रदेश्त प्रक्तिया का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के अस मत्रालय की प्रशिक्ष्मचा सक्या कार ग्रांत 2949, तार 23-9-1978, के अनुक्रम में, राष्ट्रोर बीज निगम लिग्डिंड, नई दिल्ती के केन्द्रीय भण्डार ग्रीर पूर्ति प्रभाग, दिल्ली के नियमित कर्मबारियों को 1 प्रश्तूबर, 1978 में 30 सितम्बर, 1979 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित हैं, उक्त ग्रिधिनियम के प्रवर्तन में एक यथे की ग्रीर गर्विंड के लिए छूट देती हैं।

- 2. पूर्वोक्त छूट की शर्में निम्नलिखित हैं, श्रर्थात् .--
- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी निर्धाणित है, एक रिजस्टर रखेगा, जिसमे छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिशान विखाए आऐसे।
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त श्रधिनियम के प्रधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेगे, जिनको पाने के ि, वे इस प्रधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख में पूर्व मंदत्त प्रभिदायों के प्राधार पर हकदार हो जाते।
- (3) छूट प्राप्त भवधि के लिए यदि कोई ग्रिभिदाय पहले ही किए जा चुके हो तो वे वापिस नहीं किए जाऐंगे।
- (4) उक्त कारखाने का नियोजन, उस प्रविध की बाबन जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त प्रधिनियम प्रवर्तनमान था (जिसे इसमें इसके पप्त्वात् "उक्त ध्रविधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्रक्रम में ग्रीर ऐसी विवरणियां ऐसे प्रक्रम में ग्रीर ऐसी विवरणियां महिन वैगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के प्रधीन उसे उक्त ग्रविध की बाबत दैनी बी।
- (5) निगम द्वारा उक्त प्रधिनियम की द्वारा 45 की उपधारा (1) के प्रधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का दम निमित्त प्राविकृत कोई घन्य पदधारी —
 - (i) बारा 44 की उपधारा (1) के प्रधीन, उक्त प्रविध की श्राबन दी गई किसी विवरणी की विशिष्टिया को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
 - (ii) यह प्रभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथाप्रपेक्षित रिजस्टर और प्रमिलेख उक्त प्रविध के लिए रखे गए चैया नहीं; या
 - (iii) यह अभिनिण्यत करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मनारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदो को, जिसके प्रति-फलस्यरूप इस अधिसूचना के भ्रष्टीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप मे पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या
 - (iv) यह प्रभिनिष्यित करने के प्रयोजनार्थ कि उस प्रविश्व के बौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्ही उपबंधों का प्रनृपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा .---

- (क) प्रधान या भ्रष्यविहत नियोजक में भ्रपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या भ्रन्य पदाधारी श्रावण्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यविह्त नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कायखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी

उचिन समय पर प्रवेश करना शीर उसके प्रभारी व्यक्ति से अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन श्रीर मजदूरी के संदाय से संबक्षित ऐसी लेखा बहियां श्रीर श्रन्य दस्तालेज, ऐसे निरीक्षक या भन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे श्रीर उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे श्रीवस्यक समझने है; या

- (ग) प्रधात या ग्रन्थबहित नियोजन की, उसके श्रामिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय ग्रन्य परिसरों में पाया जाए, या ऐसी किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या ग्रन्थ पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना;
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रिजस्टर, लेखाबही या ग्रन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्यक्तितम्ब ज्ञापन

इस मामले में पूर्विभिक्षी प्रभाव से छूट देनी मावश्यक हो गई है स्थोंकि छूट के लिए प्राप्त धावेदन-पन्न की कार्रवाई पर समय लगा । तथापि यह प्रमाणित किया जाना है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने के कर्मकारों को मारंभ में छूट दी गई थी वे म्रभी भी विद्यमान हैं और छूट के लिए पान्न हैं । यह भी प्रमाणित किया जाना है कि पूर्विपेक्षी प्रभाव से छूट देने मे किसी के हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[सं॰ एस-38014/3/79-एच॰ म्राई॰)]

New Delhi, the 7th September, 1979

- S.O. 3291.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Munistry of Labour No. S.O. 2449 dated the 231d September, 1978, the Central Government hereby exempts regular employees of the Central Stores and Supply Division, Delhi, belonging to the National Seeds Corporation Limited, New Delhi from the operation of said Act for a further period of one year with effect from the 1st October, 1978 upto and inclusive of the 30th September, 1979.
- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—
- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees.
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the busis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates.
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded.
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter reference to as the said period) such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under subsection (1) of Section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any returns submitted under sub-section (1) of Section 44 for the said period; or

- fii) ascertaining whether registers and record, were maintained as required by the Employees State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in eash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under the notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to ex amine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of application for exemption took time. However, it is certified that the conditions under which the employees of the factory were innitially granted exemption still persist and they are eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 38014/3/79-HI]

कारुकार 3292.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रवत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मलालय की श्रिष्म्चना सख्या कारुवार 919, तारीख 18 मार्च 1978 के धनुकम में राष्ट्रीय वैकानिक अनुसप्रहालय परिषद्, कलकता के विश्वेष्वरैया भौगोंगिक और प्राचोगिक संप्रहालय बंगलीर के स्थायी और प्रस्थायी कर्मचारियों को उक्त प्रधिनियम के प्रबंतन से पहली जुलाई, 1978 में 30 जून, 1979 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देनी है।

- 2. पूर्वोक्त छूट की गर्ने निम्नलिखित है, ग्रर्थीत् ---
- (1) पूर्वोक्त प्रतिष्ठान जिसमे कर्मजारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमे छूट प्राप्त कर्मजारियों के नाम ग्रौर पदाभिधान दिखाए जाएने,
- (2) इस छूट के हाते हुए भी, कर्मचारी उक्त प्रधिनियम के प्रधीन ऐसी प्रसुविधाए प्राप्त करते रहेगे, जिनका पाने के शिए वे इस ग्रिधसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रश्नुच होने की तारीख से पूर्व सबच ग्रिभवायों के ग्राधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त धर्वाध के लिए यदि कोई घमिदाय पहले ही किए जा क्के हो तो वे वाधिस नहीं किए जाएंगे.

- (1) उतन प्रतिष्ठात का नियोजन, उस प्रविध को बाबत जिसते दौरान उस प्रतिष्ठान पर उत्तर प्रशिनियम पर्वतेमान था (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त ग्रवधि" कहा गया है), ऐसी विजरणियां ऐसे प्ररूप से ग्रीर ऐसो विजिष्टियो सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) चिनियम 1950 के अधीन उसे उक्त ग्रवधि की बाबत देनी थीं;
- (5) निगम द्वारा उक्षम प्रधिनियम को धारा 45 की उपधारा (1) के प्रधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या निगम का उप निरीक्षण प्राधिकृत कोई अन्य प्रधारी——
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के घ्रधीन, उक्त घ्रविध की घावन दी गई किसी विवरणो कम विणिष्टयो की सन्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या
 - (ii) यह प्रभिनिष्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 द्वारा यद्या-प्रपेक्षित रिजम्टर ग्रीर ग्रभिलेख उक्त ग्रविध के लिए रखे गए थे या नहीं ; या
 - (iii) यह प्रभिनिण्यित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मवारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रति-फलस्वरूप इस अधिसूचना के प्रधीन छूट दी जा ग्ही है, नकव ग्रीर वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
 - (iv) यह प्रभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस ध्रविध के दौरान जध उक्त प्रतिष्ठान के सम्बन्ध में प्रिधिनियम के उपबन्ध प्रयुत्त थे, ऐसे किन्ही उपबन्धों का ध्रनुपालन किया गया था नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा,--

- (क) प्रधान या प्रव्यविक्षत नियोजक से भोक्ता करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या भ्रन्य प्रवधारी भावश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या भ्रव्यवहित नियोजक के श्रीधभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या भ्रन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना भीर उसके प्रभारी व्यक्ति से भ्रपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन भीर मजबूरी के संदाय से संबन्धित ऐसी लेखा बहियां भीर भ्रन्य दस्तावेज, ऐसे निरी-क्षक या भ्रन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें भीर उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हे ऐसी जानकारी दे जिसे ये भ्रावश्यक समझते है ; या
- (ग) प्रधान या प्रव्यवहित नियोजन की, उसके प्रभिकृती या सैवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यान् लय प्रत्य परिसरों में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरोक्षक या प्रन्य पत्रधारी के पास यह विष्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्में जारी है, परीक्षा करना
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या ग्रन्य परिसर में रखे गए किसी रिजस्टर, लेखाबही या ग्रन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेता।

च्यास्यास्यक ज्ञापन

इस मार्मल में पूर्वापैक्षी प्रभाव में छूट देनी श्रावण्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त श्रावेदन-पत्न की कार्रवाई पर समय लगा । तथापि यह प्रमाणित किया जाना है कि जिन परिस्थितियों में कर्मकारों को श्रारम्भ में छूट दी गई थीं वे मभी भी विद्यमान है मौर वे छूट के पान हैं। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्विपक्षी प्रमाय से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[स॰ एस-38014/39/78 एव॰ प्राई॰]

- 8.0. 3292.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 919 dated the 18th March, 1978 so far as it related to the permanent and temporary employees of Visveshwaraya Industrial and Technological Museum, Bangalore belonging to the National Council of Science Museum, Calcutta, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st Iuly, 1978 upto and inclusive of the 30th June, 1979.
- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—
- (1) The aforesaid establishment wherein the employees are employed shall maintain a register showing the name and designations of the exempted employees.
- (2) Notwithstanding the exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates.
- (3) The contributions of the exempted period, if already paid, shall not be refunded.
- (4) The employer of the said establishment shall submit in respect of the period during which that establishment was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.
- (5) Any inspector appointed by the corporation under subsection (1) of Section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of Section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in econsideration of which ememption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said establishment:

be empowered to-

- (a) require the prinicipal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information a₈ he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or

- any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employees; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the conditions under which the exemption was originally granted still persist and the employees are eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/39/78-HI]

का॰ भा॰ 3293.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्स भोसवाल भाँयल रिफाइनरी (मद्रास) यूनिट, 17, कौचराने बेसिन रोड, मद्रास-21, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों को बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अविषय निधि भीर प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपधन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

म्रतः, म्रम् , उक्त म्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केश्वीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम के उपधन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 ग्रगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019/(149)/79-पी०एफ० 2]

S.O. 3293.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Oswal Oil Refinery (Madras) Unit, 17, Cochrane Basin Road, Madras-21, have agreed that the Provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S-35019/(149)/79-PF.II]

कार आ 3294.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री बालासुब्रमणियम एंड कम्पनी, फर्म, शिवसुन्नमणियम स्ट्रीट, ग्रवप्युकोद्दाई रामनाड, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीणं उपबन्ध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

ग्रतः, प्रवः, जनत ग्रिपियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदःस शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिपियम के उपवन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है 1

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस॰ 35019/(153)/79-पी०एफ॰ 2]

S.O. 3294.—Whereas it appears to the Central Government that the empployer and the majority of the empployees in relation to the establishment known as Messrs. Sri Balasubramaniam and Company, Firm, Sivasubramaniam Street, Aruppukottai, Ramnad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the previsions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35019/(153)/79-PF II]

का॰आ॰ 3295 — केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैनमं एलिनजीकुप्पम कोन्नापरेटिय मिल्क मध्यापन से सामाइटी लिमिटेड, एलिनजीकुप्पन, उत्तरी श्राकॉट जिला, नाम स्थापन से धामम्बद्ध नियोजक भीर वर्मकारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य
निधि और प्रकीण उपबन्ध भ्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) क उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने साहिएं,

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम क उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रिधिसूचना 1 सितम्बर, 1975 को प्रवृक्ष हुई रामक्षी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019/(154)/79-पी॰ एफ॰ 2(1)]

5.0. 3295.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Alinukuppam Co-operative Millk Supply Society Limited, Alinukuppam, North Arcot District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S. 35019/(154)/79-PF.11(i)]

कार आर 3296 - केन्द्रीय सरकार कर्म चारी सविष्य निधि धीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रयम परन्तुक धारा प्रदल शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, संखद्ध विषय में आवश्यक जीच करने के पश्चात् 1 सिनम्बर, 1975 से मैसर्स एलिन-जीकुप्पन को आपरेटिय सिलक मप्लाई सोसाइटी लिमिटेड, एलिनजीकुप्पम, उत्तरी आकोंट जिला, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[फा॰ सं॰ म-35019 (154) 79-पी॰ एफ॰ 2 (ii)]

S.O. 3296.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1975 the establishment known as Messrs. Alinjikuppam Cooperative Milk Supply Society Limited, Alinjikuppam, Notth Arcot District, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(1554)/79-PF.H(il)]

कां कां 3297 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं मुम्बा ब्रार॰ एम॰ एन॰ श्रीनिवासन एंड संत, नं॰ 91-ए, सम्नाधी स्ट्रीट, सौर कुम्बा कां पन नालुक, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मवारियो की बहुसंबया इस बात पर सहसत हो गई है, कि कर्मवारी भविष्य निष्ठि भौर प्रकीण उपबन्ध प्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उन्बन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रयत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रविनियम के उपधन्ध उक्त स्थागन की लागू करती है।

यह भ्रधिमूचना 1 मार्च 1976 की प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(155) 79-पी० एफ० 2]

S.O. 3297.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the empployees in relation to the establishment known as Mesors Kumba Rm. N. Shiniyasan and Sous, No. 91-A, Sannadhi Street, Thirubuyanam, Kumbakonam Taluk, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S 35019(155)/79-PI III

कां आ 0 3 2 9 8 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मैममं कारमिन्गम सिल्कस-2 ए, मुन्दरा मुदली स्ट्रीट, कोमापलायम, एनी-632301 नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मेचारियों को बहुसंख्या इन बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध मिश्रिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को गागू किए जाने चाहिएं ,

अत, श्रच, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत णक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपचन्ध्र उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रक्षिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35019/162/79-पी॰एफ॰ 2]

S.O. 3298.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Darmalingam Silks, 2A Sundara Mudali Street, Kosapalayam, Arni-632301 have agreed that the provisions of the Employees Proviednt Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35019/(162)/79-PF II]

का॰का 3 299 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सैमर्स दि तीरू विराप्त को को प्राप्त देव मार्केटिंग सोसाइटी, 104-ए, मलाई रोड, भोराईकूर, विकी-3 नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कमें वारियो की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमें वारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रविनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

म्रतः, भ्रम, उक्त प्रिविनयम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त क्राक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रीधिनियम के उप-बन्ध उक्त स्थापन की लागु करती है।

यह ग्राधिमुचना । विसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(166)79-पीएफ2] ह्स राज छाबड़ा, उप सनिव

S.O. 3299.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, the Tiruchirappalli Co-operative Marketing Society 104-A, Salai Road, Worriyur, Trichy-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S.35019(166)/79-PF.11] HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

New Delhi, the 13th September, 1979

S.O. 3300.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunall No. 1, Dhanbad in respect of complaint under Section 33A of the said Act filed by Shri Biswesh Chaudra against his retransfer from Dhanbad to Bhagalpur Branch during the pendency of the reference No. 90 of 1977, which was received by the Central Government on the 24th August, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.1, AT DHANBAD.

In the matter of a Complaint under Sec. 33A of the I. D. Act.

Complaint No. 1 of 1978

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Bank of Baroda.

AND

Their workmen,

PRESENT:

Shri S. N. Johri, B.Sc., LL.M., Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers: Shri L. N. Basak, Personnel Officer.

For the Workmen: None.

STATE: Bihar

INDUSTRY: Bank.

AWARD

This is a Complaint filed on behalf of the workman Shri Biswesh Chandra against his retransfer from Dhanbad to Bhagalpur Branch during the pendency of the Reference No. 90 of 1977.

- 2. The fact of the case in brief are that Sri Biswesh Chandra a subordinate Class IV Staff posted at Dhanbad branch of Bank of Baroda was transferred to Bhagalpur Branch with effect from 15-2-77. He joined on 7-6-77. Thereafter considering his representation about the condition of his wife, he was again temporarily transferred to Dhanbad Branch for a period of one month on compassionate grounds and on his further representation the said period was extended from time to time till October 1977, after which he was transferred back to Bhagalpur Branch. He had raised a dispute about his initial transfer to Bhagalpur and that reference was pending before this Tribunal.
- 3. The Complaint is that his transfer back to Bhagalpur Branch during the pendency of the said reference amounted to change in the terms and conditions of his service during the pendency of the reference and should therefore be set aside in fact the complainant who had been able to temporarily come back to Dhanbad on compassionate grounds wants to nullify the initial order of transfer to Bhagalpur Branch, when it has been held in the award given in the said reference on 27-2-79 that the transfer was within the terms and conditions of the service. It was neither that malafide nor amounted to victimisation. The Complainant thus wants to nullify the effect of the award so given by this Tribunal. There is no evidence to show that his transfer back to Bhagalpur Branch where he had been substantively posted involved any change of terms and conditions of his service, much less to the prejudice of the concerned workman. As such the complaint has no legs to stand. Award is given accordingly.

Jabalpur, dated, the 12th August, 1979

S N. JOHRI, Presiding Officer.
[No. L-12012|52|77-D.II.A]
S. K. MUKERJEE, Under Secy.